हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 6 दिसंबर 2024 | अंक 54 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

नई सरकार के सामने चुनौतियों का अंबार

देवेंद्र फडणवीस सत्ता में जरूर लौट आए हैं, लेकिन उनके सामने चुनौतियां का अंबार भी है। महाराष्ट्र में बीजेपी नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को मिले मजबूत जनादेश के साथ नई सरकार से उम्मीदें भी लोंगो की बहुत ज्यादा है। चुनाव में किए गए वादों को पूरा करने का साथ-साथ सरकारी खजाने का भी ख्याल रखना होगा। बेरोजगारी और किसानों की चुनौतियों का समाधान तलाशना होगा, तो मराठा और ओबीसी बीच संतुलन बनाकर रखने का भी चैलेंज फडणवीस के सामने होगा। इसके अलावा एकनाथ शिंदे और अजित पवार को अपने डिप्टी के रूप में लेकर कुशलता के साथ सरकार चलाना फडणवीस के लिए कम चुनौती पूर्ण नहीं है।

लाड़की बहिन योजना को जारी रखने का चैलेंज: शिंदे सरकार ने वादा किया था कि सत्ता में फिर लौटते हैं तो 1500 को बढ़ाकर 2100 रुपये कर देंगे. इस योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार को 45 हजार करोड़ सरुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इस तरह फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के सामने लाड़की बहिन योजना को जारी रखने के लिए चुनौती होगी, क्योंकि सरकारी खजाने पर बड़ा बोझ पढ़ने वाला है। इससे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पैसे की कमी हो सकती है।

शिंदे-पवार से बेहतर तालमेल बनाए रखना: महाराष्ट्र में सत्ता की बागडोर संभालने जा रहे देवेंद्र फडणवीस के सामने सबसे बड़ा चैलेंज अजीत पवार और एकनाथ शिंदे के साथ तालमेल बनाकर चलने की होगा। महायुति में बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके अलावा रामदास अठावले की पार्टी भी शामिल है. पिछले पांच साल में तीन सीएम और तीन सरकारें बदली हैं. ऐसे में फडणवीस के सामने एक तरफ स्थायी रूप से सरकार चलाने की चुनौती होगी, तो दूसरी तरफ अजीत पवार और शिंदे जैसे मंझे हुए नेताओं के साथ संतुलन बनाकर चलने का चैलेंज होगा।

मराठा आरक्षण का हल, ओबीसी से बैलेंस: महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का स्थाई हल सत्ता पर काबिज होती फडणवीस को तलाशना होगा. शिंदे सरकार के दौरान मराठा समाज और अन्य जातियों को आरक्षण को लेकर आंदोलन करना पड़ा। मराठा समाज को कुनबी जाति के तहत आरक्षण देने के फैसले के खिलाफ ओबीसी समुदाय सड़क पर उतर गए थे। मनोज जरांगे पहले से ही मराठा समाज के आरक्षण का स्थाई तौर पर समाधान तलाशने की चुनौती हैं। एकनाथ शिंदे के मराठा समाज से होने के चलते जिरांगे बहुत ज्यादा मुखर नहीं रहे, लेकिन फडणवीस सरकार में नए तरीके से अपना आंदोलन तेज कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में 'देवेंद्र' सरकार

मुंबई।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होने के 12वें दिन आखिरकार राज्य में नई सरकार का गठन हुआ और भाजपा नेता और पिछली सरकार में डिप्टी सीएम रहे देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। वहीं पिछली सरकार में मुख्यमंत्री रहे शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे नई सरकार में डिप्टी सीएम की भूमिका में होंगे, जबकि शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के पद में कोई बदलाव नहीं हुआ है, उन्होंने एक बार फिर डिप्टी सीएम पद की शपथ ली है। वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार शाम को महाराष्ट्र के तीसरी बार नए सीएम के तौर पर शपथ ली। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के दौरान सबसे पहले बोला 'मी देवेंद्र सरिता गंगाधरराव फडणवीस ईश्वर साक्ष शपथ घेतो....।' शपथ ग्रहण के दौरान भी उन्होंने अपने नाम के साथ अपनी मां का नाम जोड़ा। फडणवीस को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शपथ दिलाई। सरिता उनकी मां हैं और गंगाधर राव उनके पिता का नाम है। ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा नेता ने आधिकारिक तौर पर अपनी मां का नाम लिया। समारोह के कार्ड में भी फडणवीस के नाम के साथ उनकी मां का नाम लिखा गया था।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह और कई केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्री जिसमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत समेत राजग शासित कई राज्यों के उप-मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा नीत महायुति के हजारों समर्थक शामिल हुए। यह कार्यक्रम विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के करीब दो हफ्ते बाद आजाद मैदान में आयोजित किया गया। महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में एक तरफ जहां राजनेताओं का जमावड़ा लगा था। वहीं दूसरी तरफ से उद्योगपति से लेकर तमाम फिल्मी सितारों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। इसमें मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, कुमार मंगलम बिड़ला, अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, माधुरी दीक्षित उनके पति श्रीराम नेने और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर भी समारोह में उपस्थित थीं।

अजित पवार छठी बार बने डिप्टी सीएम

एनसीपी चीफ अजित पवार ने गुरुवार को डिप्टी सीएम पद की शपथ ली. यह छठी बार है जब वह महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बने हैं। इससे पहले एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में भी वह डिप्टी सीएम बनाए गए थे। अजित पवार बारामती विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उनकी पारंपरिक सीट है। वो सीएम बनने की ख्वाहिश जता चुके हैं. हालांकि, वो ये भी कह चुके हैं कि सीएम बनने के लिए उतने विधायक भी होने चाहिए।

इस बार टेस्ट मैच जैसी पारी: फडणवीस

महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद महायुति सरकार की पहली कैबिनेट बैठक आयोजित हुई। वहीं इस बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि, इस बार टेस्ट मैच जैसी पारी होगी। हम महाराष्ट्र को हर क्षेत्र में आगे ले जाएंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार ने लाडली बहन योजना की धनराशि में बढोत्तरी की है। सीएम फडणवीस ने साफ कहा, राज्य के कैबिनेट में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। जबकि 9 दिसंबर को राज्य के नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। पहली कैबिनेट मीटिंग में फडनवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला लिया।

सिद्धिविनायक मंदिर गए फडणवीस

शपथ ग्रहण समारोह से पहले फडणवीस गुरुवार सुबह मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर गये और वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। बुधवार को फडणवीस ने सरकार गठन का औपचारिक दावा करने के लिए शिंदे और पवार के संग राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात की थी तथा गठबंधन के घटक दलों के समर्थन वाले पत्र उन्हें सौंपे थे। बुधवार को उससे पहले बैठक में फडणवीस को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था।

मंत्रियों ने शपथ नहीं ली

सीएम और दोनों डिप्टी सीएम के अलावा किसी मंत्री को शपथ नहीं दिलाई गई। हालांकि महायुति के बीच कैबिनेट बंटवारे को लेकर 6-1 का फॉर्मूला तय हुआ है। यानी 6 विधायक पर एक मंत्री पद मिलेगा। इसके तहत भाजपा को 20 से 22 मंत्री पद, एकनाथ शिंदे गुट को 12 और अजित पवार गुट को 9 से 10 मंत्री पद दिए जा सकते हैं। शपथ समारोह के बाद महायुती की बैठक होगी। आगे की रणनीति और मंत्रिमंडल के गठन पर चर्चा होगी।

फडणवीस ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

एकनाथ शिंदे और अजित पवार बने उपमुख्यमंत्री

समारोह में दिखा एनडीए का शक्ति प्रदर्शन

पीएम मोदी समेत एनडीए के दिग्गज बने साक्षी

दबाव बनाते रहेंगे एकनाथ शिंदे!

एकनाथ शिंदे आखिरी वक्त में डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करने और शपथ के लिए तैयार हो गए हैं। लेकिन अब भी उन्होंने दबाव बनाने की रणनीति नहीं छोड़ी है। खबर है कि शपथ समारोह के तुरंत बाद वह होम मिनिस्टर अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इस मीटिंग में एकनाथ शिंदे मांग कर सकते हैं कि उन्हें ही होम मिनिस्ट्री दी जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर शहरी विकास मंत्रालय के अलावा कोई और ताकतवर मिनिस्ट्री उनको दी जाए।

आज महापरिनिर्वाण दिवस

भारतीय संविधान के निर्माता भारतरत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर की पुण्यतिथि समूचे राष्ट्र में महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है। देश के इस महामानव को कोटि-कोटि प्रणाम।

आज किसानों का दिल्ली कूच

जीरो प्वाइंट पर धरना दे रहे किसानों को भेजा जेल

नई दिल्ली। जीरो प्वाइंट पर धरना दे रहे 34 किसान नेताओं को पुलिस ने बुधवार रात हिरासत लेकर लुक्सर जेल भेज दिया। वहीं गुरुवार को जिले के विभिन्न इलाकों से प्रदर्शनकारी 43 किसान नेताओं को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। किसान नेताओं को जेल भेजने के विरोध में एक बार फिर किसान संगठन और पुलिस प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि आज शुक्रवार दोपहर 12 बजे फिर से सैंकड़ों की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो पाइंट पर पहुंचेंगे। किसानों ने कहा कि प्रशासन और सरकार उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। जेल से छूटने के बाद आंदोलन तेज होगा। गौरतलब है जिले के किसान 10 प्रतिशत आबादी भूखंड, बढ़ा हुआ 64.7 प्रतिशत मुआवजे और नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने

की मांग लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं।

10 से अधिक किसान संगठनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आकर 25 नवंबर से महापंचायत शुरू कर पहले ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर धरना दिया था। इसके बाद किसानों ने यमुना विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर डेरा डाला। तीन दिन पहले हजारों किसानों ने दिल्ली के लिए कूच था, लेकिन नोएडा पुलिस ने उन्हें दलित प्रेरणा स्थल में रोक लिया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के बाद किसानों ने एक सप्ताह तक दलित प्रेरणा स्थल में धरना जारी रखने को कहा था। मगर मंगलवार को करीब 123 किसान नेताओं को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया था। इससे नाराज किसान संगठनों ने साथी किसानों की रिहाई के साथ बुधवार को ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर महापंचायत बुलाई थी। इस पंचायत में सैकड़ों किसान शामिल हुए थे। वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के बाद जेल भेजे गए किसानों को बुधवार देर शाम रिहा कर दिया गया था। इसके बाद रिहा हुए किसानों ने महापंचायत में पहुंचकर आंदोलन को तेज करने की बात कही थी। बुधवार रात करीब 11 बजे जब जीरो प्वाइंट पर किसान सो रहे थे तो पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर बस, पुलिस वैन आदि में भरकर जेल पहुंचा दिया। रात करीब डेढ़ बजे तक किसान सुखबीर खलीफा, सोरन प्रधान समेत 34 किसान नेताओं को हिरासत में लेकर जेल पहुंचाया गया।

खबरें! एक नजर में!!

असम में 7 दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एलान किया है कि कल शनिवार को राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे नए मंत्रियों का शपथग्रहण होगा। सरमा ने नए मंत्रियों के नाम का भी एलान किया। इनमें विधायक प्रशांत फूकन, कौशिक राय, कृष्णेन्दु राय और रूपेश गोआवा का नाम शामिल है। सीएम ने इन सभी विधायकों को शुभकामनाएं भी दीं।

अभिनेता सलमान की सुरक्षा में चूक

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान को मिल रही जान से मारने की धमकियों के बीच उनकी सुरक्षा में भारी चूक सामने आई है। एक अनजान शख्स ने मुंबई में सलमान खान की शूटिंग के सेट पर जबरन घुसकर सभी को धमकाने की कोशिश की। उस शख्स को रोकने की कोशिश की गई तो उसने सलमान खान की जान के दुश्मन बने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेकर सभी को धमाकाया। हालांकि पुलिस ने उस संदिग्ध व्यक्ति को तत्काल दबोच लिया।

पुष्पा-2 की रिलीज के बीच अल्लू पर केस

हैदराबाद। पुष्पा-2 की रिलीज के बीच अल्लू अर्जुन पर केस दर्ज हो गया है। दरअसल अल्लू अर्जुन बुधवार की रात हैदराबाद के एक लोकल संध्या थिएटर पहुंचे थे। उन्हें देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। अब रिपोर्ट्स की मानें तो इस मामले में अल्लू अर्जुन और संध्या थिएटर पर केस फाइल कर दिया गया है।

इसरो ने फिर रचा कीर्तिमान

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पेस एजेंसी ने कहा, पीएसएलवी- सी59 सफलतापूर्वक आसमान में उड़ गया। यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अभूतपूर्व प्रोबा-3 उपग्रहों को तैनात करने के लिए इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता के साथ एमएसआईएल के नेतृत्व में एक वैश्विक मिशन की शुरुआत का प्रतीक है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के तालमेल का जश्न मनाने वाला पल है। प्रोबा-3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था।

प्रोबा-3 मिशन के लिए स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड, इटली और स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब 1,778 करोड़ रुपये) का खर्च आया है। प्रोबा-3 मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य के अंदरूनी और बाहरी कोरोना के बीच बने काले घेरे का अध्ययन करेंगे।

सूर्य के कोरोना का तापमान 20 लाख डिग्री फेरनहाइट तक जाता है। किसी उपकरण की मदद से इसका अध्ययन करना मुमकिन नहीं होता है। प्रोबा-3 के दो सैटेलाइट कोरोनाग्राफ (310 किग्रा) और ऑकल्टर (240 किग्रा) मिलकर सूर्यग्रहण की नकल बनाएंगे। इससे सूर्य से निकलने वाली तीव्र रोशनी को रोका जा सकेगा और ऐसा करने से सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना भी आसान हो जाएगा। वैज्ञानिक पता लगाएंगे कि आखिर सूर्य के कोरोना का तापमान उसकी सतह से इतना अधिक क्यों होता है।

क्या है प्रोबा-3 मिशन?

प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड आटोनॉमी) यान में एक डबल-सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। इसरो ने कहा कि 'प्रोबास' एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है 'चलो प्रयास करें'। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान - कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा.

3.12 करोड़ किफायती मकानों की होगी कमी

सस्ते आवासीय बाजार को 67 लाख करोड़ का बनाने का मौका

नई दिल्ली. देश में 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती मकानों की कमी होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और नाइट फ्रैंक इंडिया की बुधवार को जारी 'भारत में किफायती आवास' रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कमी रियल एस्टेट डेवलपर के लिए किफायती आवास बाजार के आकार को 67 लाख करोड़ रुपये का बनाने का अवसर है। देश में पहले से 1.01 करोड़ किफायती मकानों की कमी है। नाइट फ्रैंक इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (अनुसंधान, परामर्श, इन्फ्रा एवं मूल्यांकन) गुलाम जिया ने कहा, भारत में किफायती आवास की कमी है। यह रियल एस्टेट डेवलपर के लिए एक बड़ा कारोबारी अवसर प्रस्तुत करता है। किफायती आवास क्षेत्र वित्तीय संस्थाओं के लिए भी अनेक अवसर प्रदान कर सकता है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवास की मांग को पूरा करने के लिए करीब 1.9 लाख एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। यह मांग 9 लाख रुपये तक की सालाना कमाई वाले आय समूहों पर केंद्रित है। इन्हें ईडब्ल्यूएस (सालाना आय तीन लाख रुपये), एलआईजी (3-6 लाख रुपये) और एमआईजी (6-9 लाख रुपये) में बांटा गया है।

45 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग का अवसर

• 77 फीसदी कर्ज निर्भरता और विभिन्न ऋण सीमाओं पर लागू ऋण-मूल्य अनुपात के आधार पर किफायती आवासीय श्रेणी में बैंकों और आवास वित्त कंपनियों के लिए संभावित फंडिंग 45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह पर्याप्त वृद्धि को दर्शाता है, जो इस श्रेणी में मौजूदा ऋण की मात्रा से तीन गुना है।

टाटा की कंपनी का जलवा

300 से 900 रुपए पहुंची शेयर की कीमत

नई दिल्ली.

बजाज हाउसिंग फाइनेंस की लिस्टिंग के बाद का बाजार वैल्यू बढ़ा है. इसका फायदा टाटा ग्रुप की ब्रांच टाटा कैपिटल को भी हुआ है. कंपनी के शेयर, जो एक साल पहले ₹300 प्रति शेयर पर बिक रहे थे, अब ₹900 प्रति शेयर के स्तर तक पहुंच गए हैं. निवेश बैंकरों का कहना है कि यह बढ़ोतरी टाटा टेक्नोलॉजीज की सफल लिस्टिंग और सेक्टर में बढ़ते मूल्यांकन की वजह से हुई है. हालांकि, कुछ निवेशक इस हाई वैल्यूएशन के कारण अब निवेश करने से हिचक सकते हैं. टाटा कैपिटल के कारोबार और मुनाफे में अच्छी बढ़ोतरी हो रही है. लेकिन नए निवेशकों को इस ऊंचे दाम पर निवेश करने से बचना चाहिए. टाटा कैपिटल बिजनेस लोन, होम लोन और निवेश सर्विस प्रदान करती है. वित्त वर्ष 2024 में इसका कुल कारोबार ₹1,500 करोड़ और नेट प्रॉफिट ₹664 करोड़ रहा. कंपनी के पास 4 मिलियन ग्राहक और ₹1.4 लाख करोड़ की लोन बुक है. टाटा कैपिटल का मौजूदा वैल्यूएशन ₹3.5 लाख करोड़ आंका गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह वैल्यूएशन काफी ज्यादा है.

अनलिस्टेड बाजार में निवेशक हाल की सफल लिस्टिंग्स, जैसे टाटा टेक्नोलॉजीज, से उत्साहित हैं, लेकिन निवेशकों को इस हाई वैल्यूएशन पर सावधानी से विचार करना चाहिए. वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में टाटा कैपिटल की कुल संपत्ति ₹70,800 करोड़ थी. प्रति शेयर बुक वैल्यू ₹37 आंकी गई. मौजूदा कीमत पर, इसका मूल्यांकन 15 गुना बुक वैल्यू और 120 गुना आय से अधिक है.

कोटक म्यूचुअल फंड ने जारी किया मार्केट आउटलुक

मुंबई. कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड कोटक म्यूचुअल फंड) ने साल 2025 के लिए अपनी मार्केट आउटलुक रिपोर्ट जारी की है। कोटक म्यूचुअल फंड ने अपनी इस रिपोर्ट में अगले साल के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था और कैपिटल मार्केट की दिशा पर मैक्रोइकोनॉमिक (व्यापक-आर्थिक) अनुमान साझा करते हुए निवेश की अलग अलग थीम के बारे में बताया है, जिन पर निवेशक नजर रख सकते हैं। रिपोर्ट में 5 प्रमुख थीम पर प्रकाश डाला गया है जो 2025 में बाजारों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत पहले से ही एक महत्वपूर्ण मल् टी-ईयर कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) साइकिल में है, जिससे आर्थिक विकास (इकोनॉमिक ग्रोथ) को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अगले साल केंद्र सरकार और लिस् टेड कॉर्पोरेट खर्च बढ़ने का अनुमान है, जबकि राज्य का खर्च पिछड़ सकता है। कई सेक्टर में कॉर्पोरेट ऑर्डर बुक में विस्तार इस साइकिल की व्यापक प्रकृति को उजागर करता है। परियोजनाओं की संख्या पिछली बार 2017 में देखे गए स्तर पर पहुंच गई है। प्राइवेट सेक्टर की अनुमानित लागत दशक के हाई लेवल 55,122 अरब रुपये पर है। ग्रोथ के बीच अंतर कम हो रहा है, जिससे मार्जिन पर दबाव कम होने की उम्मीद है। बैंकिंग सेक्टर में हेल्दी रिटर्न रेश् यो देखने को मिल रहा है और बैंकों के पास पूंजी की उपलब्धता के स्तर में सुधार हुआ है, जिससे नई पूंजी की आवश्यकता कम हो गई है। बैंकिंग सेक्टर का वैल्यूएशन व्यापक बाजार की तुलना में उचित है और सार्वजनिक व निजी दोनों सेक्टर के बैंकों के लिए लॉन्ग टर्म एवरेज के करीब है। क्लाउड सर्विसेज में खर्च बढ़ने से आईटी 173 परिज पर खर्च में सुधार की उम्मीद है। भारत एआई, ब्लॉकचेन और साइबर सिक् योरिटीज जैसी नए जमाने की सर्विसेज में अपनी पेशकश का विस्तार कर रहा है, और खुद को वैश्विक स् तर पर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है। इस सेक्टर के लिए प्रमुख चालकों में से एक जेनरेरित ए.थार्ट है। 2022 से 2007 तक पार्ट की मांग 15 गना बहने की राधीन है। कोटक महिंद्रा एएमसी के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह का कहना है कि बाजार में गिरावट उचित वैल्यूएशन पर मौजूद फंडामेंटली मजबूत कंपनियों में निवेश करने का अवसर है। बाजार को आगे बढ़ाने के लिए अर्निंग ग्रोथ और पी/ई एक् सपेंशन के लिए सीमित अवसर के साथ, बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, साथ ही टिकने वाले व लॉन् ग टर्म ग्रोथ पर फोकस करना जरूरी है। फिक् स् ड इनकम इन् वेस् टमेंट खासकर लंबी अवधि में कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न प्रदान करते हैं। सरकारी खर्च में बढ़ोतरी और कंजम्पशन के मजबूत ट्रेंड से उम् मीदें बढ़ी हैं, और इसके चलते निजी बैंकिंग, ऑटो, टेलीकॉम, फार्मा और आईटी जैसे सेक् टर में वैल् यू के अवसर मौजूद हैं। आगामी वेडिंग सीजन कंजम्पशन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है, जिससे यह सेलेक्टिव और अनुशासित निवेश के लिए उपयुक्त समय है।

इंटेलेक्ट ने ग्रामीण छात्रों को सशक्त बनाने साझेदारी की

वर्धा.

ग्रामीण भारत में शैक्षणिक असमानता को कम करने के उद्देश्य से, उल्लास ट्रस्ट, इंटेलेक्ट डिज़ाइन एरीना, और मिशन समृद्धि ने मिलकर महाराष्ट्र के वर्धा जिले में मिशन समृद्धि के 9 क्लस्टरों के 23 स्कूलों (20 जिला परिषद और 3 सरकारी सहायता प्राप्त हाई स्कूल) में उल्लास लाइब्रेरी और साइंस किट कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को सुधारना और छात्रों के सीखने के अनुभव को समृद्ध करना है। शैक्षणिक पहलों पर केंद्रित एक प्रमुख गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) उल्लास ट्रस्टने इस कार्यक्रम को एक अग्रणी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी, इंटेलेक्ट डिज़ाइन एरीना, और ग्रामीण भारत के समग्र विकास के लिए समर्पित सामाजिक प्रभाव मंच मिशन समृद्धि के सहयोग से लागू किया है।

इस पहल का उद्देश्य संसाधन उपलब्ध कराकर बच्चों के पढ़ने के कौशल और छात्रों की वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बेहतर बनाना और विकसित करना है। इस पहल के तहत, 9 क्लस्टरों के 2000 से अधिक छात्रों को लाइब्रेरी और साइंस लर्निंग प्रोग्राम से लाभ मिलेगा। महाराष्ट्र के नागपुर डिवीजन में स्थित वर्धा जिले में कई सरकारी स्कूल हैं, लाइब्रेरी और साइंस किट कार्यक्रम के तहत प्रत्येक भाग लेने वाले स्कूल में 500 बच्चों की कहानी की किताबें (80% मराठी में और शेष द्विभाषी और अंग्रेजी संस्करण में), लोहे की बुक रैक और विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए साइंस किट उपलब्ध कराए गए हैं। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि बच्चे इन संसाधनों का उपयोग एक स्वागतपूर्ण और बच्चों के अनुकूल वातावरण में कर सकें। अरुण जैन, इंटेलेक्ट डिज़ाइन एरीना के सीएमडी और उल्लास ट्रस्ट के फाउंडर-ट्रस्टी ने कहा, "यह पहल ग्रामीण भारत के छात्रों के लिए समान शैक्षिक अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, यह जरूरी है कि हर बच्चे को, चाहे वह किसी भी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के संसाधनों तक पहुंच हो। हमारा उद्देश्य जिज्ञासा को जगाना और बचपन से ही आजीवन सीखने की संस्कृति का निर्माण करना है। यह सहयोग छात्रों को उनकी परिस्थितियों से परे सपने देखने और भारत के विकास की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाता है। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम उनके विकास के लिए एक मजबूत आधार बनेगा और प्रत्येक बच्चे को एक उद्देश्यपूर्ण और संभावनाओं से भरे भविष्य की कल्पना करने में सक्षम बनाएगा।

डॉ. डी. कुंभारे, बीईओ, वर्धा ने कहा, "ज्ञान ही सच्ची शक्ति है। जो बच्चे अधिक किताबें पढ़ते हैं और विज्ञान के प्रयोग करते हैं, वे अधिक ज्ञान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास प्राप्त करते हैं।" किशोर जगताप, स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, मिशन समृद्धि ने कहा, "यह पहल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता में मदद करती है.

अंबुजा सीमेंट्स के कौशल प्रशिक्षण से युवा महिला को होगा लाभ

नई दिल्ली. अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों में दृढ़ है। हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ में अपने कौशल और उद्यमिता विकास संस्थान के माध्यम से, कंपनी ने रंभा कुमारी को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से पारंपरिक लिंग बाधाओं को तोड़ने के लिए सशक्त बनाया है। उत्तर प्रदेश की एक युवा महिला रंभा ने नालागढ़ में अंबुजा सीमेंट्स के डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स में दाखिला लिया। उसने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया और नील मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड में नौकरी हासिल की, जहाँ वह अब अपने परिवार की आय में योगदान देती है और अपने गाँव की कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। उसके रोजगार के वित्तीय प्रभाव ने उसके परिवार को ज़मीन खरीदने और घर बनाने में सक्षम बनाया है, जो उसकी दृढ़ता और प्राप्त प्रशिक्षण के माध्यम से साकार हुआ। यह पहल हाशिए पर पड़े समुदायों के व्यक्तियों को स्थायी आजीविका प्रदान करने, दीर्घकालिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अंबुजा सीमेंट्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। सेडी के माध्यम से, अंबुजा सीमेंट्स न केवल रंभा जैसे ग्रामीण युवाओं की मदद कर रही है, बल्कि लैंगिक समानता और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देकर ग्रामीण समुदायों को नया आकार भी दे रही है। सेडी में रंभा की सफलता कंपनी के जीवन को बदलने वाले अवसर पैदा करने के व्यापक दृष्टिकोण को उजागर करती है।

अब मदर डेयरी पर मिलेगा आटा और गुड़ भी

नई दिल्ली. मदर डेयरी अब आर्गेनिक प्रोडक्ट बेचने जा रही है, जिसमें आटा और गुड़ जैसे उत्पाद शामिल होंगे. कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने दिल्ली-एनसीआर में भारत ऑर्गेनिक्स ब्रांड के तहत एनसीओएल के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को बेचने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) के साथ समझौता किया है. इस समझौते के हिसाब से मदर डेयरी फिलहाल अभी ऑर्गेनिक गुड़ और आटा ही बेचेगी. कंपनी इसकी शुरुआत दिल्ली एनसीआर के बाजारों से करेगी. इस डील के तहत मदर डेयरी अपने नेटवर्क के जरिए एनसीआर में भारत ब्रांड ऑर्गेनिक्स के उत्पादों की सप्लाई करेगी, जिनमें प्रमुख तौर पर भारत ऑर्गेनिक्स आटा और भारत ऑर्गेनिक गुड़ की बिक्री शुरू की है. मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कहा कि इस साझेदारी के से मदर डेयरी का लक्ष्य एक भारत को स्वस्थ बनाना है. हमारे नेटवर्क और एनसीओएल की ऑर्गेनिक फॉर्मिंग की मदद से हम सस्ते और कम दामों में लोगों को बढ़िया प्रोडक्ट्स प्रोवाइड कराएंगे.

तनाएरा ने लॉन्च किया 'फॉर ब्युटीफुल बिगिनिंग्स'

नई दिल्ली.

शादियां भावनाओं का मिश्रण होती हैं, यह एक नए अध्याय की शुरूआत है जहां प्यार सभी सीमाओं को पार कर नई कहानियों की शुरूआत करता है। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा अपने नए कैंपेन 'फॉर ब्युटीफुल बिगिनिंग्स' के साथ इसी यात्रा की भावना पर रोशनी डालता है। मृणाल ठाकुर के साथ फिल्माया गया यह कैंपेन उस दूल्हन की कहानी बयां करता है जो अपने बचपन की देहलीज़ को पार कर, अपने साथ ढेरों यादें संजांए, असखुंय संभावनाओं से भरपूर एक नए जीवन के वादे करती है- एक ऐसा अनुभव जिसे भारत की विभिन्न संस्कृतियों में साझा किया जाता है। इस कैंपेन के माध्यम से तनाएरा उन भावनाओं को सम्मान देती है, जो दूल्हनों को एक धागे के साथ जोड़ती हैं, फिर चाहे वे किसी भी क्षेत्र या किसी भी परम्परा से ताल्लुक रखती हों, यह कैंपेन उनकी नई यात्रा की बारीकियों को उजागर करता है। इस समय, दूल्हन सिर्फ साड़ी में लिपटी नहीं होती, उसके मन में ढेरों सपने, यादें और उम्मीदें होती हैं, जिन्हें अपने साथ लेकर वह अपने जीवन के नए अध्याय की शुरूआत करती है। तनाएरा का कैंपेन 'फॉर ब्यूटीफुल बिगिनिंग्स' इस बात पर रोशनी डालता है कि किस तरह, जहां दूल्हन की साड़ी विभिन्न प्रकार के फैब्रिक, ड्रेप और डिज़ाइन के ज़रिए उसकी बदलाव की यात्रा की सच्ची साथी बन जाती है। 'फॉर ब्यूटीफुल बिगिनिंग्स' ऐसे कलेक्शन के साथ इस पावन पल के फैब्रिक में बुनी संस्कृति का जश्न मनाता है, जो हमारे देश की कारीगरी और आधुनिक डिज़ाइनों, समकालीन डिज़ाइन एवं आधुनिक रंगों की समृद्ध धरोहर के सदाबहार पारम्परिक मिश्रण की अभिव्यक्ति करता है। ब्राण्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप यह कलेक्शन विभिन्न डिज़ाइनों में शुद्ध एवं प्रमाणिक फैब्रिक का प्रतीक है। तनाएरा ज़री का सर्टिफिकेशन भी देती है, ताकि दूल्हन अपने जीवन के सबसे खास दिन इस धरोहर के सही मायनों का अहसास पा सके। शादी के जश्न को पूरे परिवार तक बढ़ाते हुए वैडिंग रेंज की साड़ियों में कई विकल्प हैं जो हर तरह की भूमिकाओं और व्यक्तित्वों पर खूब जंचते हैं। दूल्हन की सबसे अच्छी सहेली हो, दूल्हे की मां या चचेरी बहन, इस कलेक्शन में हर महिला के लिए साड़ी है, जो नए जोड़े के साथ इस यादगार मौके की खुशियां बांटती हैं।

इंडिगो पर लगे आरोपों ने निवेशकों की बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली. इंडिगो को लेकर एक खबर आई और कंपनी का शेयर रेड जोन में कारोबार करने लगा. कितना नुकसान हुआ और आगे कितना होगा आज की स्टोरी में पूरा डिटेल जानेंगे पहले ये समझ लेते हैं कि यह कंपनी अचानक से इतनी चर्चा में क्यों आ गई. दरअसल, अमेरिका स्थित एयरहेल्प इंक द्वारा इंडिगो को सबसे खराब रैंक वाली वैश्विक एयरलाइनों में शामिल किया गया है. एयरहेल्प स्कोर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इंटरग्लोब एविएशन, इंडिगो को वैश्विक एयरलाइन रैंकिंग में नीचे से सिर्फ़ छह स्थान ऊपर 103वें स्थान पर रखा गया है. एयरहेल्प इंक दुनिया भर की एयरलाइन का डेटा इकट्ठा करती है, जिसमें एयरलाइन के उड़ान भरने और एयरपोर्ट पर आगमन करने की सारी डिटेल होती है. यह ग्राहकों द्वारा दर्ज की गई शिकायत को ध्यान में रखते हुए अपना रिपोर्ट तैयार करती है, जिसमें कौन सी कंपनी समय पर आगमन और प्रस्थान कर रही है, इसकी भी जानकारी होती है. इस बीच इंडिगो ने एयरहेल्प सर्वेक्षण के दावों का खंडन किया और कहा कि इसने समय की पाबंदी पर लगातार बेहतर परफॉर्मेंस दिया है और उच्च स्कोर हासिल किया है और साथ में सबसे कम शिकायत भी हैं. एक बयान में इंडिगो ने कहा कि सर्वेक्षण में प्रकाशित डेटा भारत से नमूना आकार की रिपोर्ट नहीं करता है, और न ही वैश्विक विमानन उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली कार्यप्रणाली या मुआवजा दिशानिर्देशों को ध्यान में रखता है "जो इसकी विश्वसनीयता पर संदेह करता है".

आरबीआई ने बढ़ा दी यूपीआई की ये लिमिट

नई दिल्ली.

रिजर्व बैंक के कदम से आसान होगी यूपीआई तक पहुंच

❑ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस का आसान बनाने और सामान्य लोगों तक और ज्यादा पहुंच में लाने के लिए ये कदम उठाया है. रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर में कहा कि यूपीआई लाइट के लिए बढ़ी हुई सीमा 1000 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन होगी जिसमें किसी भी समय कुल सीमा 5000 रुपये होगी.

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को यूपीआई इस्तेमाल करने वालों को अच्छा तोहफा दिया है. आरबीआई ने घोषणा की है कि यूपीआई लाइट के जरिए ऑफलाइन डिजिटल पेमेंट की लिमिट को बढ़ाया जा चुका है. इसके तहत यूपीआई वॉलेट की लिमिट को 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये किया जा रहा है. इसके अलावा 'यूपीआई लाइट' में प्रति ट्रांजेक्शन की लिमिट को 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है. फिलहाल ऑफलाइन पेमेंट में लेनदेन की ऊपरी सीमा 500 रुपये थी और इसके साथ किसी भी समय पेमेंट मोड पर ऑफलाइन ट्रांजेक्शन की कुल सीमा 2000 रुपये है. इसका एक बड़ा फायदा ये भी है कि यूपीआई लाइट के जरिए आप 5000 रुपये तक के पेमेंट कर सकते हैं,

जिससे हर छोटे-छोटे पेमेंट को आपके बैंक स्टेटमेंट में नहीं देखा जाएगा. यूपीआई लाइट के तहत होने वाले लेनदेन इस हद तक ऑफलाइन हैं कि उनमें वैलिडेशन के अलावा फैक्टर ऑफ आइडेंटिफिकेशन की जरूरत नहीं होती है. इसके अलावा लेनदेन से जुड़े अलर्ट भी वास्तविक समय यानी रियल टाइम में नहीं भेजे जाते हैं.

ऑफलाइन पेमेंट का मतलब ऐसे लेनदेन से है जिसके लिए मोबाइल फोन में इंटरनेट या टेलीकॉम कनेक्टिविटी की जरूरत नहीं होती है. अक्टूबर में यूपीआई लाइट की लिमिट बढ़ाने का आरबीआई ने किया था ऐलान रिजर्व बैंक ने ऑफलाइन ट्रांजेक्शन में छोटी लिमिट के डिजिटल पेमेंट को सुविधाजनक बनाने के लिए जनवरी, 2022 में जारी ऑफलाइन स्ट्रक्चर के प्रावधानों को संशोधित किया है और इसकी जानकारी दी है. रिजर्व बैंक ने इस साल अक्टूबर में यूपीआई लाइट के ऑफलाइन पेमेंट की लिमिट बढ़ाने की घोषणा की थी और कल आरबीआई एमपीसी की बैठक के दौरान इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया गया.

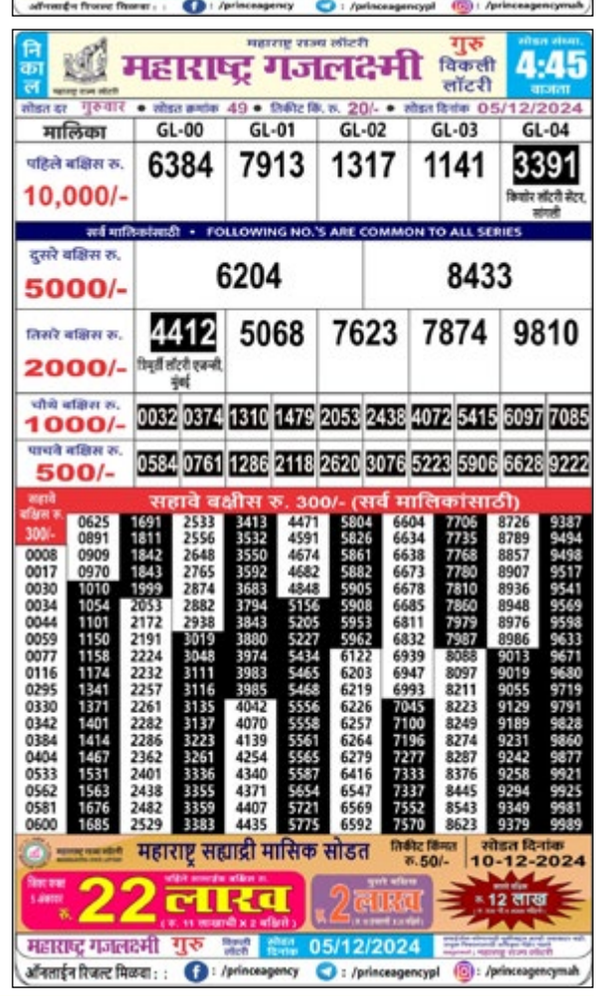

विदर्भ स्टॉकिस्ट — प्रविण कडू : 9822472123

वर्ल्ड बैंक से महाराष्ट्र को मिले 1595 करोड़

राज्य के पिछड़े जिलों में होगा विकास कार्य

मुंबई.

विश्व बैंक ने महाराष्ट्र में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए 188.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1595 करोड़ रुपये) का लोन मंजूर कर दिया है। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया कि इस लोन का इस्तेमाल विशेष रूप से पिछड़े जिलों में विकास कार्य के लिए किया जाएगा। बैंक ने एक बयान में कहा कि 188.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल महाराष्ट्र के पिछड़े इलाकों में विकास के लिए किया जाएगा।

इसमें पिछड़े जिलों में संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना, जिला स्तर पर प्लानिंग करना और विकास के लिए बनाई गई रणनीतियों पर अमल करना शामिल है। निवेश बढ़ने से राज्य के पिछड़े जिलों का विकास होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इन जिलों में विकास के लिए जरूरी डेटा जुटाने और विशेषज्ञता हासिल करने के लिए लोन के पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे व्यवसायों के लिए ई-सरकारी सेवाओं में सुधार होगा और निजी क्षेत्र की भागीदारी भी बढ़ेगी।

विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में तेजी से बदलाव आने की उम्मीद है। विश्व बैंक में भारत के निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा "इस प्रोग्राम के जरिए अलग-अलग संस्थाओं में सोच समझकर निवेश किया जाएगा और जिला स्तर पर बेहतर समन्वय किया जाएगा। इससे वास्तविक हालातों के अनुरूप प्लानिंग की जा सकेगी और उसी आधार पर नीतियां बनाई जाएंगी। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का इंटरफेस बेहतर होगा और लोगों को बेहतर सेवा मिलेगी। ये सभी उपाय खास तौर पर पिछड़े जिलों में बड़े पैमाने पर विकास करने के लिए किए जा रहे हैं। परियोजना के लिए टास्क टीम लीडर नेहा गुप्ता और थॉमस डेनियलविट्ज़ ने कहा कि यह अभियान निजी क्षेत्र की समय पर सरकारी सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए ऑनलाइन सेवा वितरण पोर्टल मैत्री 2.0 (निजी क्षेत्र को सेवाओं के लिए) और आरटीएस पोर्टल (सभी सरकारी सेवाओं के लिए उपयोग किया जाता है) को भी मजबूत करेगा।

टारगेट पूरा करने वाले जिलों को मिलेगा अवॉर्ड

यह अभियान राज्य विकास में बेहतर समन्वय, एकीकरण, विश्लेषण और अंतर्दृष्टि के प्रसार के लिए महा डाटाबैंक सहित डेटा गवर्नेंस आर्किटेक्चर का निर्माण करके सार्वजनिक डेटा के मूल्य को अनलॉक करेगा। इस डेटा का उपयोग लैंगिक असमानताओं सहित प्रमुख विकास अंतरालों को संबोधित करने के लिए किया जा सकता है। यह अभियान एक प्रोत्साहन ढांचा स्थापित करता है जो लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले जिलों को वार्षिक वित्तीय पुरस्कार प्रदान करेगा।

स्कूल में बच्ची से हुई छेड़छाड़

> महिला प्रिंसिपल गिरफ्तार

ठाणे. देशभर में आए दिन महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के आंकड़ों ने सरकार के 'महिला सुरक्षा' के दावों की पोल-खोल दी है। छोटी बच्चियों की सुरक्षा के मुद्दे ने भी गंभीर रूप ले लिया है। अब तो बच्चियां स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं है। इसी बीच महाराष्ट्र के ठाणे से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी के होश उड़ा दिए है। ठाणे के एक स्कूल में बच्ची के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आयी, लेकिन इसको प्रिंसिपल ने गंभीरता से नहीं लिया है। जिसके बाद बच्ची से छेड़छाड़ की सूचना पुलिस को ना देने पर स्कूल की महिला प्रिंसिपल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 वर्षीय लड़की से कथित रूप से छेड़छाड़ किए जाने की घटना सामने आयी। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार की सुबह मुंब्रा इलाके में स्थित एक निजी स्कूल की है। मुंब्रा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि 5वीं की छात्रा जब अपनी कक्षा में अकेली थी, तभी 'शॉर्ट्स' और नीली टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति वहां आया था, जिसके बाद उसने बच्ची से कथित तौर पर छेड़छाड़ और अन्य आपत्तिजनक हरकतें कीं। डरी हुई लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग निकला। अधिकारी ने बताया कि शोरगुल सुनकर प्रिंसिपल वहां आयी और उनके पूछने पर पीड़िता ने उन्हें घटना की जानकारी दी। प्राथमिकी के अनुसार, प्रिंसिपल को बाद में आरोपी से बात करते हुए देखा गया, जिसने उन्हें कथित तौर पर बताया कि वह लड़की को स्कूल छोड़ने आया था। लड़की ने घटना के बारे में अपने अभिभावकों को बताया और उन्होंने उस व्यक्ति तथा स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। अधिकारी ने बताया कि प्रिंसिपल की भी जांच की जा रही है। प्रिंसिपल को आरोपी से बातचीत करते देखा गया था इसलिए माना जा रहा है कि पूछताछ के बाद आरोपी का पता लगाना आसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण यानी पोक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसकी तलाश की जा रही है।

देसी बम के साथ एक गिरफ्तार

ठाणे.

जिले से एक हैरान करने वाला मामला समाने आया है. जहां एक 45 वर्षीय व्यक्ति के पास से पुलिस ने दस देसी बम बरामद किया है, साथ ही पुलिस ने शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को दी. सेंट्रल अपराध यूनिट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे ने कहा कि इस कार्रवाई को अंजाम एक गुप्त सूचना के आधार पर दिया गया. पुलिस को कहीं से इस बात का पता चला था कि इस आदमी के पास देसी बम हैं. जिसके बाद पुलिस सर्च ऑपरेशन में जुट गई. पुलिस लगातार व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रख रही थी और जब वो व्यक्ति 2 दिसंबर को जिले के साकेत मैदान के पास पहुंचा, तो उसे पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया. एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को उसके बैग में 10 देसी बम मिले. अधिकारी ने आगे कहा कि रायगढ़ जिले के मानगांव का रहने वाला ये व्यक्ति विस्फोटक बेचने के लिए ठाणे आया था. उन्होंने आगे कहा कि राबोडी पुलिस ने मंगलवार को उस व्यक्ति के खिलाफ विस्फोटक पदार्थों के संबंध में लापरवाही बरतने के लिए प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है और मामले से जुड़ी जांच कर रही है. गिरफ्तार होने के बाद जारी पूछताछ में उस व्यक्ति ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा कि बमों को गेहूं के आटे में छिपाकर बेचने के लिए लाया था. उसने आगे कहा कि ऐसे विस्फोटकों का इस्तेमाल जंगली सूअरों का शिकार करने के लिए किया जाता था, जो कि कुछ ग्रामीण इलाकों में आम बात है.

नगरपालिका को 1000 करोड़ टैक्स वसूली की चुनौती

6 महीने में 350 करोड़ टैक्स वसूला गया

मुंबई. नवी मुंबई नगर निगम द्वारा शहर में नई संपत्तियों की खोज करके आय बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों की योजना बनाई जा रही है, लेकिन एक हजार करोड़ के संपत्ति कर संग्रह लक्ष्य को हासिल करने के लिए नगर निगम के सामने एक बड़ी चुनौती आने वाली है। आगामी वित्तीय वर्ष में रु. वित्तीय वर्ष के छह माह बीतने के बाद भी विभाग ने 350 करोड़ रुपये संपत्ति कर की वसूली की है.

हालांकि यह तो साफ है कि पिछले कुछ महीनों में इस वसूली की रफ्तार बढ़ती जा रही है, लेकिन नगर पालिका इस दूरी तक कितनी पहुंच पाएगी, इसे लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है. नवी मुंबई नगर निगम के लिए संपत्ति कर राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। पिछले वित्तीय वर्ष में नगर निगम ने 716 करोड़ रुपये का संपत्ति कर वसूला था. वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में पिछले वर्ष 83.66 करोड़ अधिक संपत्ति कर एकत्र किया गया। इस वित्तीय वर्ष में नगर पालिका ने सवा करोड़ रुपये संपत्ति कर वसूली का लक्ष्य रखा है। अब तक संपत्ति कर विभाग ने 350 करोड़ रुपये का संपत्ति कर वसूला है. इस साल नगर निगम प्रशासन ने प्रॉपर्टी टैक्स बकाया पर फोकस किया है। बकाया राशि के अनुसार घटते क्रम में सूचियां तैयार की गई हैं। नवी मुंबई के नागरिकों को शहर की प्रगति में योगदान देना चाहिए और नगर पालिका के माध्यम से अधिकतम गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने के लिए संपत्ति कर का भुगतान करना चाहिए। इस वर्ष 1000 करोड़ संपत्ति कर संग्रह का लक्ष्य है और अब तक 350 करोड़ संपत्ति ऋण एकत्र किया जा चुका है।

अभय योजना के साथ प्रयोग

प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली बढ़ाने के लिए नगर निगम ने बकाएदारों के लिए अभय योजना लागू की थी। पिछले साल नगर निगम ने 1 से 20 मार्च तक बकाया जुर्माना राशि पर 75 फीसदी और 21 से 31 मार्च तक 50 फीसदी छूट लागू की थी. इस योजना का लाभ बड़े पैमाने पर बकाएदारों ने उठाया। अभय योजना के माध्यम से आठ हजार 740 बकायादारों ने नगर निगम के खजाने में 116 करोड़ की राशि का भुगतान किया। इस साल लोकसभा और विधानसभा चुनाव के कारण टैक्स कलेक्शन पर असर पड़ा है और इस वित्तीय वर्ष में 350 करोड़ का प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ है.

मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट पर पलटा कंक्रीट मिक्सर ट्रक

> गड्ढे में जा गिरा मजदूर, मौत

मुंबई. जिले में एक मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट पर कंक्रीट मिक्सर ट्रक पलट जाने से 25 साल के एक मजदूर की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात 10.45 बजे काशीमीरा इलाके के पेंकरपाड़ा में हुई. पुलिस ने गुरुवार को ये जानकारी दी है. मीरा भयंदर नगर निगम के अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि कंक्रीट मिक्सर ट्रक में तीन कर्मचारी सवार थे.वह अचानक पलट गया और एक गड्ढे में गिर गया. एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक पलटने पर दो लोग सुरक्षित बाहर कूद गए, जबकि तीसरा व्यक्ति मिक्सर के नीचे दब गया और उसकी मौत हो गई. सूचना मिलने के बाद दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया. उन्होंने बताया कि बाद में गुरुवार तड़के साढ़े तीन बजे तक चले बचाव अभियान के दौरान शव को निकाला गया. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया.काशीमीरा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच की जा रही है. बता दें कि इसी तरह हाल ही में बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो रेल कंस्ट्रक्शन साइट एक हादसा हो गया था. जिससे 2 लोगों की मौत हो गई. जबकि 6 अन्य घायल हो गए. यह घटना सोमवार पटना विश्वविद्यालय परिसर के पास खोदी गई सुरंग के अंदर हुई. एक पिकअप वैन सुरंग से गुजर रही थी, जहां उसका ब्रेक फेल हो गया. इससे वह कंस्ट्रक्शन लेबर्स के एक ग्रुप से टकरा गई और गंभीर हादसा हो गया.

यात्रा के बहाने पूर्व पुलिस उपनिरीक्षक से ठगी

पिंपरी. मोशी में एक सेवानिवृत्त पुलिस सब-इंस्पेक्टर को अयोध्या, काशी, नेपाल की तीर्थयात्रा कराने का लालच देकर 2 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है. भीकन एकनाथ दुसाने (उम्र 69, निवासी मोशी) ने एमआईडीसी भोसरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। तदनुसार, महेश बरसू फलक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दुसाने मुंबई पुलिस बल से सब-इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए। फलक ने दुसाने को काशी, अयोध्या, नेपाल की तीर्थयात्रा पर ले जाने का लालच दिया। इसके लिए डूसा और उसके रिश्तेदारों से 2,02,500 रुपये लिए गए। दुसाने से कहा गया कि अगर वह यात्रा शुरू होने से 20 दिन पहले सूचित करेंगे तो वह टिकट रद्द कर देंगे और सारे पैसे वापस कर देंगे। इस बीच फलक ने दुसाने का ट्रेन टिकट बुक नहीं कराया। उसने भुगतान किए गए पैसे वापस न करके उन्हें धोखा भी दिया। एमआईडीसी भोसरी पुलिस जांच कर रही है.

'मॉनिटर लिज़ार्ड' को उसके अंडों सहित बचाया गया

मुंबई.

भिवंडी के एक कार्यालय में पाई गई घोरपड़ी को उसके अंडों सहित बचा लिया गया है और वर्तमान में घोरपड़ी का चिकित्सा उपचार चल रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि कार्यालय में यह गड़बड़ी काफी दिनों से चल रही है. भिवंडी के सोनवले में एक ऑफिस पर वहां के कर्मचारियों की नजर पड़ी. हालाँकि, उसकी तलाश करने के बाद भी वह कहीं नहीं मिली। कुछ दिन बाद घोरपड़ को ऑफिस के टॉयलेट में जाते देखा गया. कर्मचारियों ने शौचालय का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया।

चूंकि कार्यालय को बचाव दल के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, इसलिए घोरपाड़ को पूरी रात शौचालय के अंदर बंद रखा गया। अगली सुबह इसकी जानकारी वाइल्डलाइफ वेलफेयर एसोसिएशन (डब्ल्यूडब्ल्यूए) को दी गई। बचाव दल के मौके पर पहुंचने के बाद उन्हें शौचालय से बाहर निकालते समय घोरपदी अंडे के साथ मिली। साथ ही जैसे ही बचाव दल को पता चला कि बचाव अभियान के दौरान घोरपड बेहोश है, तो उसका तत्काल चिकित्सा उपचार शुरू किया गया। फिलहाल घोरपाड़ वन्यजीव कल्याण संघ की हिरासत में है और उसका इलाज चल रहा है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने बिस्वा सरमा पर साधा निशाना

मुंबई. असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने राज्य में रेस्तरां और सार्वजनिक स्थानों पर बीफ के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है. असम सरकार के इस फैसले पर शिवसेना-यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तंज करते हुए कहा है कि अगर उन्हें लगता है कि इससे उन्हें कोई राजनीतिक लाभ मिलेगा तो उन्हें झारखंड चुनाव में क्या हुआ वह याद रखना चाहिए. समाचार एजेंसी से बातचीत में प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ''यह फैसला लेना सरकार का काम है. इसमें कुछ भी राजनीतिक नहीं है लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएम को उम्मीद है कि इससे उन्हें कुछ राजनीतिक लाभ मिल जाएगा.

शूटर सलमान पर करना चाहते थे हमला

मुंबई. एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच के सामने रोजाना नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं. मुंबई क्राइम ब्रांच के एक बड़े अधिकारी ने बताया कि पूछताछ और तथ्यों की जांच के दौरान उन्हें पता चला कि जिन हत्यारों ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की थी, उनकी हिट लिस्ट में जीशान सिद्दीकी के साथ-साथ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान का भी नाम था. बता दें इस मामले में क्राइम ब्रांच ने अब तक 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और इन सभी आरोपियों पर मकोका की गंभीर धाराएं भी जोड़ी गई हैं. पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है कि शूटर सलमान खान को भी निशाना बनाना चाहते थे.

पैसे न देने पर पत्नी को चाकू से गोदा

पुणे. बिबवेवाड़ी इलाके में एक ऐसी घटना घटी जहां एक व्यक्ति ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर अपनी पत्नी को चाकू मार दिया. इस मामले में बिबवेवाड़ी पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घायल महिला की पहचान कविता संजय लोखंडे (उम्र 39, निवासी सिद्धार्थनगर, अपर इंदिरानगर, बिबवेवाड़ी) के रूप में हुई है। इस मामले में उनके पति संजय सुदाम लोखंडे (उम्र 49) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. कविता ने बिबवेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. लोखंडे दंपत्ति सिद्धार्थनगर इलाके की एक चाली में रह रहे हैं. आरोपी संजय शराब पीने का आदी है। सुबह उसने अपनी पत्नी कविता से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया तो संजय नाराज हो गए। उन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार किया. उसे पीटा गया और चाकू से वार किया गया. पुलिस कांस्टेबल आंग्रे जांच कर रहे हैं.

मलावी हापुस उत्पादन में गिरावट आई

मुंबई. विदेशी मलावी हापुस नवंबर के अंत तक वाशी में मुंबई कृषि उपज बाजार समिति में प्रवेश करेगा। इसकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। लेकिन इस साल, मलावी हापुस एक दिन की देरी से बाजार में प्रवेश कर रहा है। व्यापारियों ने बताया कि मलावी हापुस का उत्पादन इस वर्ष 50 प्रतिशत ही रहेगा। हापुस ने कहा कि रत्नागिरी, देवगढ़ हापुस की मिठास आंखों के सामने आ जाती है। देवगढ़ का हापुस अपनी मिठास के लिए प्रसिद्ध है। कोंकण हापुस आम के समान, इस मलावी हापुस आम का स्वाद, रंग और सुगंध समान है क्योंकि यह खाने के शौकीनों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इस हापुस आम की खेती मलावी में 600 हेक्टेयर भूमि पर की गई है। 13 साल पहले, रत्नागिरी से 40 हजार हापुस आम की छड़ें मलावी ले जाया गया था। चूंकि मलावी की जलवायु कोंकण के समान गर्म और आर्द्र है, इसलिए वहां उगाए जाने वाले आम का फल अच्छा होता है। इसलिए उपभोक्ता घरेलू हापुस के समान ही विदेशी हापुस को भी अधिक पसंद कर रहे हैं।

एपीएमसी मार्केट में देशी हापु का सीजन फरवरी में शुरू होता है। लेकिन उससे पहले नवंबर-दिसंबर में अफ्रीकी मलावी हापुस बाज़ार में आ जाता है. इस साल मलावी हापू सीज़न दिसंबर के अंत तक बाज़ार में रहेगा। पिछले साल अब तक 3000 बॉक्स मिले थे लेकिन अब तक सिर्फ 1200 बॉक्स ही मिले हैं। फिलहाल 1200 बॉक्स बाजार में आ चुके हैं और तीन किलो के बॉक्स की बाजार कीमत 2200-5000 हजार रुपये है.

स्पा सेंटर के नाम पर देह व्यापार

पुणे. क्राइम ब्रांच की भरोसा सेल ने महिलाओं को पैसों का लालच देकर स्पा सेंटर के नाम पर चल रहे देह व्यापार के धंधे पर छापा मारा है. इस मामले में आरोपी को जंजीर से बांध दिया गया है और दो पीड़ित महिलाओं को रिहा कर दिया गया है. स्पा सेंटर के मालिक सूरज भरत साहू (नि. वाशी ठाणे) को गिरफ्तार कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच की भरोसा सेल को विश्रांतवाड़ी के धनोरी जकात नाका इलाके में गुडविल स्क्वायर मॉल की दूसरी मंजिल पर स्पा सेंटर के नाम पर वेश्यावृत्ति के धंधे की जानकारी मिली थी। तदनुसार, टीम ने उस स्थान पर नकली ग्राहक भेजकर पुष्टि की। छापेमारी के बाद दो पीड़ित महिलाओं को बचा लिया गया. इस मामले में मालिक साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

कार्यालय नगरपंचायत कोंढाळी
जिल्हा नागपूर

निविदा

अ. क्र.	तपशिल	तपशिलवार माहीती
1	निविदा धारकांचे नांव	
2	निविदेचे नांव	नगरपंचाय कोंढाळीचे मालकीचे रिधोरा जाम प्रकल्पावरील 60 अश्वशक्ती क्षमतेची व्हर्टीकल मोटार जुने तार परत न कराता साहीत्यासह दुरूस्ती करणे.
3	निविदा फॉर्म किंमत	रू. 200/
4	अनामत रक्कम	रू. 1000/- पावती क्रमांक दिनांक / / 2024
5	निविदा स्विकारण्याचा दिनांक व वेळ	/ / 2024 दुपारी 3.00 वाजता
6	कामाचा कालावधी	पुरवठा आदेशापासुन 15 दिवस

वर नमुद माहीती मी स्वतः भरलेली असुन ती सत्य आहे माहीती खोटी किंवा चुकीची आढळल्यास माझी निविदा नामंजुर करण्याचे अधिकार नगरपरिषदेला राहील.

फर्मचा पुर्ण पत्ता

दिनांक

निविदा धारकांची स्वाक्षरी

कार्यालय नगरपंचायत कोंढाळी
जिल्हा नागपूर

निविदा सुचना

कोंढाळी नगरपंचायतीला नगरपंचायत निधी अंतर्गत काम कमांक 1 करीता सार्वजनिक बांधकाम विभागात पंजीबध्द कंत्राटदाराकडुन बी-1 निविदा मागवीने आहे तथा काम कमांक 2 करीता मोटार पंप दुरूस्ती दुकानदाराकडुन निविदा मागवीने आहे या कामाच्या कोरी निविदा दिनांक 12/12/2024 ला कार्यालयीन वेळेत प्राप्त करून घेता येईल सिलबंद निविदा दिनांक 13/12/2024 ला दुपारी 2.00 वाजेपर्यंत स्विकारण्यात येईल

अ. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय किंमत	अनामत रक्कम 1 टक्का	कोरी निविदा मिळण्याची तारीख व वेळ	कोरी निविदा व प्रपत्र किंमत रुपये
1	नगरपंचाय निधी अंतर्गत विकास नगर येथील श्री सोमकुवर यांचे घरापासुन ते श्री खेडकर यांचे घरापर्यत 300 मि.मि. व्यासाची आर.सी.सी. भुमीगत नाली बांधकाम करणे.	2,12,000/-	2120/-	12/12/2024	500/-
2	रिधोरा जाम प्रकल्पावरील 60 अश्वशक्तीची मोटार नग 1 जुने तार परत न कराता रिवायींडींग करणे.	-----	1000/-	12/12/2024	500/-

1. निविदा दिनांक 14/12/2024 ला दुपारी 4.00 वाजता उघडण्यात येईल प्रशासकीय कारणास्तव शक्य न झाल्यास नंतरचे दिवशी कार्यालयीन वेळेत निविदा उघडण्यात येईल.
2. कोणतीही एक किंवा सर्वच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार निम्मनहेस्ताक्षरकर्ता यांनी राखुन ठेवलेला आहे.
3. निविदा दोन लिफाफा पध्दीने सादर करण्यात याव्या पहील्या लीफाफ्यामध्ये कंत्राटदाराचे अनामत रक्कम रोख भरल्याची पावती तांत्रीक कागदपत्रे संलग्न करणे आवश्यक राहील व दुस-या लीफाफ्यामध्ये सिलबंद निविदा सादर करण्यात यावी.
4. इतर अटी व शर्ती. बांधकाम विभागात कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळेल.

स्वा/-
प्रशासक
नगरपंचायत कोंढाळी

कार्यालय नगरपंचायत कोंढाळी
जिल्हा नागपूर
पाणी पुरवठा विभाग

निविदा प्रपत्र

अ. क्र.	कामाचे नांव	सादर करावयाचे एकमुस्त
1	नगरपंचायत कोंढाळीचे मालकीचे रिधोरा जाम प्रकल्पावरील 60 अश्वशक्ती क्षमतेची व्हर्टीकल मोटार जुने तार परत न करता साहीत्यास रिवायींडींग करणे.	

शर्ती व अटी:-

1. निविदा दोन लिफाफा पध्दतीने सादर करण्यात याव्यात तांत्रीक बोलीचा व वित्तीय मोहरबंद लिफाफा एका मोठया लिफाफ्यामध्ये घालुन मोठा लिफाफा मोहरबंद करावा मंड लिफाफा व त्यामधील दोन्ही लिफाफ्यावर कामाचे नांव, निविदाधारकाचे पूर्ण नांव व पत्ता नमुद केलेले असावे.
2. मंजुर निविदेतील साहीत्य पुरवठयाचे दर हे ऐकत्रीत असेल या व्यतीरीक्त कोणतेही अतीरीक्त दर देण्यात येणार नाही.
3. दुरूस्ती साहीत्य दुरूस्ती स्थळावर पोहचता करून फिटींग करून द्यावी लागेल.
4. पुरवठा साहीत्य आय.एस.आय. दर्जाचे असणे बंधकनकारक राहील.
5. पुरवठा धाराकांकडे पॅन कार्ड, अद्यावत दुकान परवाना पंजीयन निविदेसोबत संलग्न क आवश्यक आहे.
6. एक किंवा सर्वच निविदा नाकारण्याचा किंवा स्विकारण्याचा अधिकार निम्नहस्ताक्षरकर्ता यांनी राखुन ठेवलेला आहे.
7. अनामत रक्कम रू. 1000/- नगदी भराते लागेल.
8.निधीचे उपलब्धतेनुसार देयक अदा करण्यात येईल.
9.रू. 500 चे स्टॅम्पेपरवर वरील प्रमाणे करारनामा करून द्यावा लागेल.
10. नगरपंचात व्दारे सर्व प्रदाने फक्त रेखांकीत धनादेशाव्दारे प्रदान करण्यात येईल.

स्वा
प्रशासक
नगरपंचायत कोंढाळी

पुरवठा धारकांचे नांवा सही व शीक्का
दिनांक:

सुविचार

शांतिपूर्ण मन ही हमें सच्ची ख़ुशी देता है।
इसलिए शांतिपूर्ण मन रखे।

संपादकीय

वक्फ और संभल ने भाजपा की राजनीति को फायदा पहुंचाया

❐ महाराष्ट्र में इंडिया ब्लॉक को करारी हार क्यों झेलनी पड़ी? ज्यादातर विश्लेषकों ने लाड़की बहिन योजना की ओर इशारा किया। महिलाओं के मतदान में 6% की वृद्धि भी इस बात की पुष्टि करती है। लेकिन और भी फैक्टर्स थे, जिनके कारण एनडीए का वोट-शेयर इंडिया ब्लॉक के एमवीए से 15 प्रतिशत अधिक था। इनमें से एक कारण वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के कारण बढ़ा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण था। 1955 का वक्फ अधिनियम- जिसे 1995 और 2013 में संशोधित किया गया था- मुस्लिम संपत्तियों को नियंत्रित करता है। वक्फ बोर्ड अदालतों के प्रति जवाबदेह नहीं है। अगर केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्ड जमीन पर दावा करते हैं तो वास्तविक जमीन मालिक को अदालत में अपील करने का कोई अधिकार नहीं होता। इसके चलते वक्फ बोर्ड के ट्रस्टी बिना किसी रोक-टोक के जमीनों पर अतिक्रमण कर सकते हैं। वक्फ ने केरल और कर्नाटक में चर्च की जमीन पर भी दावा किया है, जिससे मुसलमानों और ईसाइयों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024, 2013 के वक्फ अधिनियम में सुधार करने और वक्फ बोर्ड के फैसलों को कानूनी अधिकार-क्षेत्र में रखने का प्रयास करता है, जिसमें अदालत में अपील करने का अधिकार भी शामिल है। लेकिन वक्फ अधिनियम में सुधारों का विरोध करके मौलवियों ने उदारवादी हिंदुओं और ईसाइयों को भी अलग-थलग कर दिया है, जो जरूरी नहीं कि भाजपा के मतदाता हों। संभल में शाही जामा मस्जिद को लेकर हुए विवाद ने साम्प्रदायिक तापमान को और बढ़ाया, जिससे यूपी में भी ध्रुवीकरण गहरा गया। यूपी उपचुनावों में भाजपा की 7-2 की जीत 2027 के यूपी चुनाव से पहले सपा के लिए चेतावनी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के लिए खतरा यह है कि उदारवादी हिंदू भी अब एनडीए के करीब खिसक रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों ने भी भारत में हिंदुओं के बीच गुस्से को और बढ़ा दिया है। इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी एक बयान जारी करने के लिए मजबूर कर दिया, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार की पोजिशन का समर्थन किया और बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को भेजने का आह्वान किया। हरियाणा में हार के बाद महाराष्ट्र में भी विपक्ष की चुनावी पराजय के बाद इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने कई मुद्दों पर कांग्रेस पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस द्वारा चुनावों में ईवीएम की जगह पेपर बैलेट का इस्तेमाल करने की मांग का मखौल उड़ाया जा रहा है। कांग्रेस को याद दिलाया जा रहा है कि कैसे 1990 के दशक में बिहार में बूथ कैप्चरिंग, हिंसा और डुप्लिकेट बैलेट के माध्यम से चुनावों में पेपर बैलेट का दुरुपयोग किया गया था। छोटे लोकतंत्र पेपर बैलेट का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि उनके मतदाताओं की संख्या कम है और वहां कानून का सख्ती से पालन कराया जाता है। जबकि ईवीएम प्रणाली की इलोन मस्क ने भी प्रशंसा की है, जिन्होंने कहा कि भारत ने एक दिन में 64 करोड़ वोटों की गिनती की थी, जबकि कैलिफोर्निया चुनाव के कई हफ्ते बाद भी वोट गिन रहा है। वक्फ अधिनियम 2013 में सुधार का विरोध करने तथा संभल में शाही जामा मस्जिद के न्यायालय के आदेश पर सर्वेक्षण करने वाले एएसआई के सदस्यों पर हमला करने वाले आपराधिक तत्वों का समर्थन करने के कारण कांग्रेस को अब एक ऐसी पार्टी के रूप में देखा जा रहा है, जो आधुनिक, प्रगतिशील भारत की वस्तुस्थिति से कटी हुई है। संसद में एक ही समय में गांधी परिवार के तीन सदस्यों का होना भी अच्छा नहीं लगता। यह वंशवाद और अधिकारवाद को दर्शाता है। राहुल गांधी ने हाल ही में एक लेख में लिखा कि व्यापार घरानों का एकाधिकार भारत को नष्ट कर रहा है। लेकिन राहुल यह नहीं देख पा रहे हैं कि राजनीतिक एकाधिकार इससे भी बदतर है।

असम में गौमांस पर बैन

असम में मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा की अगुवाई वाली सरकार ने गौमांस पर बैन लगा दिया है. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खुद इसका ऐलान किया. उन्होंने बताया कि फैसला किया गया है कि असम में किसी भी रेस्टोरेंट या होटल में गौमांस नहीं परोसा जाएगा. इसके अलावा किसी सार्वजनिक स्थल या समारोह में भी गौमांस नहीं परोसा जाएगा. बीफ से कितना अलग होता है. गौमांस, देश के किन राज्यों में गोहत्या पर प्रतिबंध और इससे जुड़ा विवाद कब-कब उठा? बीफ शब्द का मतलब गाय, बछड़े, बैल और भैंस के मांस से होता है, लेकिन गौमांस शब्द सिर्फ गाय और बछड़े के मांस के लिए होता है. इसमें राज्य के दूसरे मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े. इसी दौरान असम में गौमांस पर बैन का फैसला किया गया.इसके बाद मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम में तीन साल पहले गोहत्या रोकने का कानून लाए थे. इसके बाद काफी सफलता मिली. उन्होंने बताया कि अब फैसला किया गया है कि असम के किसी भी रेस्टोरेंट अथवा होटल या सार्वजनिक स्थल या समारोह में गौमांस नहीं परोसा जाएगा. पहले यह बैन केवल मंदिरों के पास गौमांस पर था. अब इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया गया है. उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दिल्ली और चंडीगढ़ में गोहत्या पर रोक लागू है. गोहत्या क़ानून का उल्लंघन करने पर सबसे कड़ी सजा का प्रावधान भी इन्हीं राज्यों में किया गया है.

फडणवीस ने अग्रिम पंक्ति के नेताओं में जगह बना ली है

आरती जेरथ

दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनेंगे। अपने दूसरे अनाड़ी प्रयास के विपरीत- जिसमें अविभाजित शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस ने पांच दिनों के भीतर उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया गया था- इस बार वे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के मकसद से कुर्सी सम्भालेंगे।

भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है।लेकिन दो फैक्टर उनके पक्ष में गए। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है। वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं।

दूसरा फैक्टर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था। ध्यान रहे कि मुख्यमंत्री के रूप में नाम तय होने के बाद फडणवीस ने सबसे पहले संघ मुख्यालय में ही फोन लगाया है। संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए किसी लो-प्रोफाइल चेहरे को नहीं चुनना चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। मोदी-शाह संघ से मिले इस संदेश को नजरअंदाज नहीं कर सके। संघ के असहयोग की कीमत भाजपा को लोकसभा चुनावों में चुकानी पड़ी थी।

लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में भाजपा की किस्मत में अचानक आए बदलाव से यह स्पष्ट था कि संघ ने चुनावों में अपनी पूरी ताकत लगाई है। गौरतलब है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत कुछ दिनों के लिए दिल्ली में थे और लगभग उसी समय महायुति के नेता भी अमित शाह के साथ सरकार गठन पर चर्चा के लिए वहां आए थे। दिलचस्प यह है कि शाह ने पहले दौर की वार्ता के

लिए फडणवीस और अजित पवार से मिलने से पहले एकनाथ शिंदे के साथ आमने-सामने की बैठक की थी। और यहीं से समस्याएं शुरू हुईं। शिंदे ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा इस आधार पर पेश किया कि उन्होंने अपने विकास कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं- खास तौर पर महिलाओं में लोकप्रिय लाड़की बहिन योजना के साथ महायुति की जीत में बराबर का योगदान दिया है। शिंदे को पता था कि महाराष्ट्र में जिस तरह के आंकड़े सामने आए थे, उनके मद्देनजर उनके पास अपनी दावेदारी को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। भाजपा और अजित पवार के पास शिंदे के बिना भी सरकार बनाने के लिए बहुमत था। लेकिन उन्हें दिल्ली के राजनीतिक मूड का अंदाजा था।

उन्हें पता था कि मोदी-शाह की जोड़ी महायुति की व्यापक जीत के बाद उसमें एकता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने को तैयार है और उन्होंने उसी हिसाब से अपना खेल खेला। शिंदे को मनाने में दस दिन लग गए, और यह अवधि फडणवीस को अनंतकाल की तरह लगी होगी। लेकिन उन्होंने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की और संघ की शाखाओं में बचपन में सीखे अनुशासन का अच्छा उपयोग किया। उन्होंने अपने लिए जोरदार पैरवी की, लेकिन चुपचाप तरीके से। वे इस बात को लेकर सावधान थे कि खुद पर ध्यान आकर्षित न करें और सार्वजनिक रूप से मुंह न खोलें, क्योंकि उन्हें पता था कि इससे बात बिगड़ सकती है।

आम सहमति का पहला संकेत तब मिला, जब फडणवीस ने भाजपा विधायक दल की बैठक की पूर्व संध्या पर शिंदे से मुलाकात की, जिससे सीएम के रूप में उनके पदभार ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। फडणवीस की वापसी का महत्व दो तरह से है। पहला, यह उस पैटर्न से अलग है, जो हाल के वर्षों में मोदी-शाह की जोड़ी द्वारा भाजपा द्वारा जीते गए राज्यों में अपेक्षाकृत अज्ञात नेताओं को सीएम के रूप में चुनने में दिखाई दिया था। मध्य प्रदेश में शिवराज की जगह मोहन यादव को चुना गया, जबकि लाड़ली बहना योजना के पीछे शिवराज का दिमाग था। राजस्थान में वसुंधरा की जगह भजन लाल शर्मा को चुना गया, जबकि छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को विष्णु देव साई के लिए नजरअंदाज किया गया। लेकिन अब फडणवीस, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के साथ अगली पीढ़ी के नेताओं की उभरती हुई पांत में जगह बनाने के लिए तैयार हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर मोदी के बाद के परिदृश्य के लिए तैयार किया जा सकता है। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों में अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है। इनमें भी फडणवीस को ऐसे सर्वमान्य व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो खींचतान और दबाव के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। इस विधा में उनके कौशल का परीक्षण महाराष्ट्र में तीन-पक्षीय गठबंधन सरकार के नेतृत्व से होने जा रहा है।

शुक्रवार स्पेशल — भाग (67)

इस्लाम में सेवा और अच्छे व्यवहार की पात्रता रखने वाले लोग

डॉ.एम.ए.रशीद, नागपुर

मुस्लिम समुदाय को माता-पिता और बुज़ुर्गों की ऐसी सेवा करना चाहिए कि घर और समाज दोनों अमन व सलामती का गहवारा बन जाएं.

पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम द्वारा इस्लाम की शिक्षाओं के अंतर्गत दिए गए प्रशिक्षण से सहाबा ए किराम (आदर्श साथियों) में जन सेवाओं की अद्भुत भावनाओं ने जन्म लिया। उनके जीवन में एक से बढ़कर एक उदाहरण दिखाई देते हैं। इस्लाम की जनसेवाओं में यह आदर्श प्रस्तुत किया गया है कि परिवार और समाज में जो भी इंसान सेवा की पात्रता रखने वाला हो उसकी सेवा होनी चाहिए, इससे आगे इस्लाम ने सेवा और अच्छे व्यवहार की पात्रता रखने वालों के संबंध में भी बताया है। इस दायरे में इन्सान के माता पिता, बाल-बच्चे और निकटतम सम्बन्धी वग़ैरह आते हैं। इनकी सेवा नैतिक कर्तव्य समझी जाती है। ऐसा स्वाभाविक रूप से प्रेम के नतीजे और उनसे विशेष हार्दिक सम्बन्ध के फलस्वरूप होता है।

लेकिन भौतिकवादी युग, दुनिया परस्ती ने इन नैतिकता की भावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। नतीजतन परिवार और समाज के लोगों के साथ भावनात्मक लगाव नहीं दिखाई देता। इस्लाम की शिक्षाओं के तहत यह कि इन्सान मात्र उन्हीं लोगों की सेवा करने को अपना कर्तव्य न समझे जिनसे उसका ख़ून का सम्बन्ध है, बल्कि उन लोगों के साथ भी अच्छा व्यवहार करे जिनसे उसका कोई रिश्ता-नाता नहीं है। उसकी सेवा और सद्व्यवहार का क्षेत्र उसके घर और परिवार से आगे बढ़कर समूचे समाज तक फैल जाए। उसे सम्पूर्ण मानवजाति को अपना परिवार समझकर उसकी सेवा के लिए खड़ा हो जाना चाहिए। पवित्र क़ुरआन की सूरा 'निसा' की एक पंक्ति अति संक्षिप्त रूप में सद्व्यवहार की पात्रता रखने वालों के संबंध में बताती है। इसके अनुसार उनसे ग़फ़लत और लापरवाही नहीं बरती जा सकती।

पवित्र क़ुरआन 4:36 में अल्लाह ईश्वर का फ़रमान है कि "तथा अल्लाह की इबादत (वंदना) करो, किसी चीज़ को उसका साझी न बनाओ तथा माता-पिता, समीपवर्तियों, अनाथों, निर्धनों, समीप और दूर के पड़ोसी, यात्रा के साथी, यात्रि और अपने दास दासियों के साथ उपकार करो। नि:संदेह अल्लाह उससे प्रेम नहीं करता, जो अभिमानी अहंकारी हो"। इस छंद के विश्लेषण में समाज के समस्त कमज़ोर और महरूम वर्ग आ जाते हैं। पवित्र क़ुरआन ने 'सेवा' के लिए 'एहसान' का पारिभाषिक शब्द प्रयोग किया है। यह बड़ा व्यापक अर्थ वाला शब्द है जो सेवा के सभी पहलुओं पर हावी है। इसमें ढाढ़स, सहानुभूति, प्रेम, आवश्यकताओं का पूरा करना तथा किसी को उसके अधिकार से अधिक देना आदि सब कुछ आ जाता है। परिवार के बड़े बुज़ुर्गों में माता - पिता का पहला स्थान आता है। उनके साथ अच्छे व्यवहार के संबंध में पवित्र क़ुरआन में एक अल्लाह की इबादत के आदेश पश्चात इंसानों के साथ अच्छे व्यवहार की हिदायत की गई है। इस विषय में सबसे पहले माता -पिता का उल्लेख पवित्र क़ुरआन 4:36 में किया गया है कि "माता पिता के साथ अच्छा व्यवहार करो।" माता पिता की सेवा की शिक्षा दुनिया के प्रत्येक धर्म ने दी है। क़ुरआन मजीद में एक-दो नहीं, बल्कि अनेक स्थानों पर अल्लाह की इबादत के पश्चात माता पिता के साथ अच्छे व्यवहार का आदेश दिया गया है। इसमें यह संकेत है कि इन्सान पर सबसे अधिक उपकार अल्लाह तआला के हैं।

उसके बाद माता पिता के उपकार हैं। इन्सान का अस्तित्व, उसका जन्म, पालन-पोषण, देख-भाल, शिक्षा-दीक्षा तथा उसके आर्थिक एवं नैतिक विकास आदि में माता पिता अधिक भागीदार होते हैं। यदि वे ध्यान न दें तो वह उन्नति नहीं कर सकता, बल्कि उसका अस्तित्व ही ख़तरे में पड़ सकता है। अशिक्षित से अशिक्षित तथा दरिद्र माता पिता भी संतान के लिए जो क़ुरबानी देते हैं, इन्सानी समाज में इसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं दिया जा सकता। उनके उपकारों में अल्लाह तआला के उपकारों की झलक दिखाई पड़ती है। अल्लाह की इबादत वास्तव में उसके उपकारों के प्रति कृतज्ञता-प्रकाशन है। माता पिता का स्थान चूंकि अल्लाह के बराबर नहीं है।

अत: उनकी उपासना तो नहीं की जा सकती, परन्तु उनके साथ अच्छा व्यवहार करना अनिवार्य है। यही उनके उपकारों के प्रति कृतज्ञता-प्रकाशन है। पवित्र क़ुरआन ने अल्लाह तआला के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी आदेश दिया है और माता पिता के प्रति कृतज्ञता दिखाने की भी हिदायत की है। पवित्र क़ुरआन 31:14 में अल्लाह ईश्वर का आदेश है कि "मेरे प्रति कृतज्ञ हो और अपने माता-पिता के प्रति भी। मेरी ही ओर पलटकर आना है।" वर्तमान सभ्यता ने पारिवारिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करके रख दिया है। इसके साथ वे उच्चतम नैतिक मूल्य भी समाप्त होते जा रहे हैं जो इस व्यवस्था से सम्बद्ध थे, इसका बड़ा बुरा प्रभाव वृद्ध माता-पिता पर पड़ा है। आज यत्नपूर्वक इस बात पर विचार किया जा रहा है कि साठ-सत्तर वर्ष के इन बूढ़ों का क्या किया जाए जो हमारे लिए बेकार हो चुके हैं। जब वे भविष्य के निर्माण में सहयोगी नहीं हैं तो उनका भार कब तक सहन किया जाए? हालांकि जिन बूढ़ों के विषय में इस प्रकार सोचा जाता है उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को तथा अपनी संतान को उस समय नदी में नहीं फेंक दिया जबकि वह उनके हाथों में विवश और लाचार थी और उनकी दया एवं कृपा के सहारे जी रही थी, बल्कि उन्होंने उसे अपने जिगर का ख़ून पिलाकर पाला-पोसा और जीवन के क्षेत्र में दौड़-धूप के योग्य बनाया। पवित्र क़ुरआन ने विशेष रूप से बुढ़ापे में माता पिता के साथ अच्छा व्यवहार करने की ताकीद 17:23-24 में इस प्रकार से की है कि "यदि उनमें से कोई एक या दोनों तुम्हारे सामने बुढ़ापे को पहुँच जाएं तो तुम उन्हें 'उफ़' तक न कहो और न उन्हें झिड़को, बल्कि उनसे भली प्रकार बात करो और दयालुता और नर्मी के साथ उनके सामने झुककर रहो; और दुआ करो : ऐ रब! जिस तरह इन्होंने बचपन में दया और प्रेम से मेरा पालन-पोषण किया है, तू भी इनपर दया कर।"

इस्लामी शिक्षाओं में मानव सेवा एक शानदार अध्याय है। पवित्र क़ुरआन में जहां मानव सृजन, निर्मिति का उद्देश्य इबादत और बंदगी बताया है, वहीं उसी इबादत में लोगों की सेवा करने को भी शामिल रखा है। इसलिए अन्य प्रकार की इबादतों की तरह यहां भी सांसारिक उद्देश्यों पर नज़र रखने की बजाय परलोक पर दृष्टि रखने की ज़्यादा आवश्यकता है, जहां इस सेवा का प्रतिफल मिलेगा। शरिया शब्द में अल्लाह ईश्वर की प्रसन्नता के लिए उस के प्राणियों के साथ वैध कार्यों में सहयोग करना जनसेवा कहलाता है। पवित्र क़ुरआन के छंद और परंपराओं के अध्ययन से पता चलता है कि लोगों की सेवा एक धर्मनिष्ठ समाज के निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण साधन है, बल्कि यह अल्लाह ईश्वर से प्रेम का तकाज़ा, ईमान की भावना और दुनिया और उसके बाद परलोक में समृद्धि का साधन भी है।

आम तौर पर लोग केवल वित्तीय सहायता को ही जन सेवा समझते हैं। वित्तीय सहायता के अलावा, किसी को प्रायोजित करना, ज्ञान और कौशल सिखाना, उपयोगी सलाह देना, किसी भटके हुए यात्री को सही रास्ता दिखाना, विद्वानों को संरक्षण प्रदान करना, शैक्षिक और कल्याण संस्थानों की स्थापना करना, किसी के दुख दर्द में भाग लेना और इन जैसे सैकड़ों मुद्दे सेवा सृजन के अलग-अलग रास्ते हैं जो कि इसी जनसेवा में अहम स्थान रखते हैं। इनका अनुसरण हर एक इंसान अपनी क्षमता के अनुसार कर सकता है। पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने स्पष्ट रूप से मुस्लिम समुदाय को एक सिद्धांत से अवगत कराया है। आप सअव ने कहा कि "धर्म सद्भावना का नाम है।" इससे स्पष्ट होता है कि सद्भावना एक पवित्र भावना के अलावा और कुछ नहीं है। यही जनसेवा जब परोपकार की भावना के पूर्णता के स्तर पर पहुँचती है तो वह विभिन्न रूपों में कार्यों के माध्यम से व्यक्त होने लगती है। जैसे कि इस्लामी जगत के प्रथम शासक के दौर में दिखाई दिया कि वे एक असहाय बुढ़िया के घर जाकर उसका पूरा काम किया करते थे।

इस परिप्रेक्ष्य में नज़र डालने से प्रतीत होता है कि एक ओर हम अपने माता-पिता की देखभाल से अपने दामन को छुड़ाने का प्रयास करते हैं, जबकि ये बुज़ुर्ग माता पिता हमारी विरासत हैं। उनकी देखभाल करना हमारा पहला नैतिक और धार्मिक कर्तव्य बनता है। फिर दूसरी ओर उन लोगों का सहयोग कौन करेगा जो असहाय हो कर रह गए हैं। यह हक़ीकत थी कि जब तक संयुक्त परिवार प्रणाली का अस्तित्व था, तब तक परिवार के बुज़ुर्गों, माता-पिताओं और युवाओं के बीच भावनात्मक रूप से परस्पर निर्भरता थी। हमारे देश की भूमि विविध संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैली वाले लोगों का घर है जो यथार्थ रत्न का प्रतीक है। इसी तहत बुज़ुर्गों, माता-पिता को इज़्ज़त भरी नज़रों से देखा जाना और उनकी सेवाओं में तनिक सी भी लापरवाही नहीं बरती जाना चाहिए। दुर्भाग्यवश आजकल बुज़ुर्गों, माता-पिता को लोग बहुत कम ही महत्व देने लगे हैं, यह हमारी परंपराओं के विपरीत है। परिवार, समाज में आज पीढ़ी की कड़वी सच्चाई है कि पारिवारिक जीवन व्यवस्था धीरे-धीरे अपना महत्व खोती जा रही है। युवा जोड़े एकल परिवारों (मैं, मेरी पत्नी, मेरे पति, मेरे बच्चे) को चुन रहे हैं। इससे परिवार के बुज़ुर्गों, माता-पिताओं को या तो विवश होकर अकेले रहना पड़ रहा है या दूसरे इनकी देखभाल कर रहे हैं। ऐसे दुष्परिणाम तब और देखने में आते हैं जब कुछ माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए विदेश भेज देते हैं। बच्चे उस देश में रहने के आदी हो जाते हैं और वापस नहीं लौटना चाहते। फिर इन बुज़ुर्गों के लिए एक रास्ता बचा रह जाता है वृद्ध आश्रम का! बता दें कि मुस्लिम समुदाय में वृद्धाश्रम का विषय और उसकी कल्पना वर्जित है। इस्लाम ने अपने अनुयायियों को माता-पिता के साथ अच्छा व्यवहार करने और बुढ़ापे में उनकी देखभाल करने का आदेश दिया है। पवित्र क़ुरआन (17:23) ने माता-पिता की स्थिति को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए कहा है कि "अपने माता-पिता के साथ अच्छा व्यवहार करो"। अल्लाह जब बुज़ुर्ग माता पिता के बारे में बात करता है तब हर प्रकार की तोहीन, लांछन अल्लाह की अवज्ञा में आ जाती है।

पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने उन लोगों को ईमान वालों से पूरी तरह बाहर कर दिया जो बड़ों का सम्मान नहीं करते। दूसरी जगह आप सअव ने बड़ों का सम्मान करते हुए ताकीद फ़रमाई कि "वह हममें से नहीं है जो छोटों पर दया न करे और बड़ों का सम्मान न करे।" (तिरमिज़ी) दयालुता, एहसान के साथ माता पिता और समाज के बुज़ुर्गो की देखभाल करना वास्तव में नेक काम और अच्छे मोमिन (आस्तिक) का एक अहम अमल है। अतएव इसका मतलब यह है कि माता-पिता और समाज के बुज़ुर्गों की देखभाल को व्यक्तिगत संतुष्टि से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सबसे पहले परिवार और समाज के लोगों को इन बुज़ुर्गों के प्रति जन्मीं विषम परिस्थितियों से समझौता करना चाहिए। माता पिता या किसी बुज़ुर्ग की सेवा में पूरे परिवार को इस तरह जुट जाना चाहिए कि वे दुआएं और आशीर्वाद से नवाज़ने लग जाएं। इससे घर और समाज दोनों अमन व सलामती का गहवारा बन सकते हैं।

आस्था

क्यों पीछे खिसकता जा रहा है गोमुख पर्वत?

❐ उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गोमुख पर्वत है. यहीं से भागीरथी नदी आरम्भ होती है, जो गंगा नदी की एक प्रमुख स्रोत धारा है. ये पर्वत 4,023 मीटर (13,200 फुट) पर स्थित है. ये पर्वत हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखता है. ये पर्वत हिंदुओं का पवित्र तीर्थस्थल है. दावा किया जाता है कि गोमुख पर्वत के ठीक पीछे वाले ग्लेशियर को भागीरथ पहाड़ कहते हैं. यहीं उन्होंने गंगा को धरती पर लाने से पहले भगवान शिव से उन्हें अपनी जटाओं में बांधने की आराधना की थी. इस पहाड़ में तीन चोटियां दिखती हैं, जिनके नाम ब्रह्मा, विष्णु और महेश है, जहां भगवान शिव ने मां गंगा को अपनी जटाओं में बांधकर छोड़ा था. वो शिखर गोमुख से पीछे थे लेकिन आज हम बात गोमुख पर्वत की कर रहे हैं. ये पर्वत लगातार खिसकता जा रहा है, लेकिन इसकी रफ्तार कितनी है. क्या इस पर्वत के लगातार खिसकने के पीछे साल 2013 की तबाही है या कारण कुछ और है. देहरादून में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान है. ये संस्थान पिछले कई सालों से हिमालय के ग्लेशियर की निगरानी कर रहा है. इसके वैज्ञानिक ग्लेशियर में आ रहे बदलावों पर भी काम करते हैं. जानकारों के मुताबिक साल 2013 में आई तबाही के बाद गोमुख पर्वत पर बहुत कुछ बदल गया है. संस्थान के निदेशक डॉक्टर कलाचंद सैन ने बताया कि ऐसा क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग की वजह हो रहा है. साथ ही तापमान बढ़ने की वजह से भी पर्वत पीछे खिसक रहा है. उनके मुताबिक, पर्वत का मुंह 1935 में जहां था. आज वो उससे 15-20 मीटर पीछे खिसक गया है. हालांकि जानकारों ने पर्वत के विलुप्त हो जाने की बात को खारिज कर दिया. डॉक्टर कलाचंद सैन पर्वत के विलुप्त हो जाने की बात से इनकार करते हैं. वो कहते हैं कि जिन कारणों की वजह से पर्वत पीछे खिसक रहा है और इसके पीछे खिसकने का जो रेट है. उसे देखकर ये नहीं कहा जा सकता है कि ये पर्वत विलुप्त हो जाएगा.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

❐ आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलामृत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 6 दिसंबर 2024

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

फड़णवीस के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही गांधी चौक पर जश्न का माहौल

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

< भारतीय जनता पार्टी चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र की ओर से लड्डू वितरण

भाजपा नेता देवेन्द्र फड़णवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसका सीधा प्रसारण गांधी चौक स्थित नगर निगम के खुले मैदान में किया गया. इसका आयोजन भारतीय जनता पार्टी चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र की ओर से किया गया था. इस मौके पर जैसे ही देवेन्द्र फड़णवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और लड्डू बांटकर जमकर जश्न मनाया.

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता खुशाल बोंडे, विजय राऊत, प्रमोद कडू, संजय कंचर्लावर, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष डॉ. मंगेश गुलवाडे, पूर्व नगरसेवक संदीप आवारी, रवि असवानी, पूर्व नगरसेवक सुभाष कासनगोट्टुवार, मंडल अध्यक्ष संदीप अगलावे, पूर्व नगरसेवक छबू वैरागड़े, पूर्व नगरसेवक पुष्पा उराडे, वंदना जांभुलकर, शीला चव्हाण, अनिल फुलजेले, युवा नेता मनोज पाल, चंद्रकला सोयम, अतराम, तुकुम मंडल अध्यक्ष पुरूषोत्तम सहारे, बंगाली मंडल अध्यक्ष दिनकर सोमलकर, सिविल लाइन मंडल अध्यक्ष रवि लोनकर, दशरथ सिंह ठाकुर, भाजपा महासचिव किरण बुटले, पूर्व नगरसेवक रवि गुरनुले, प्रकाश धरने, युवा नेता मुग्धा खाड़े, वंदना हटगांवकर, सैली येरने, सविता दांधारे, वैशाली मद्दीवार, विमल काटकर, भाग्यश्री हांडे, नीलिमा वनकर, वंदना हजारे, कल्पना शिंदे, अमोल शेंडे, रशीद हुसैन, नकुल वासमवार, करण सिंह बैस, प्रतीक शिवनकर, जितेश कुलमेथे, मंगेश अहिरकर, श्याम हेडाऊ, देवानंद साखरकर, अस्मिता डोनारकर व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुंबई के आजाद मैदान में बड़ी धूमधाम से महागठबंधन सरकार का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ.

इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने देवेन्द्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे तथा अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह के लाइव प्रसारण के लिए भारतीय जनता पार्टी चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र की ओर से गांधी चौक स्थित नगर निगम पटांगन में तैयारी की गई थी. इस मौके पर शपथ ग्रहण समारोह शुरू होते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया. लड्डू भी बांटे गए और शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फड़णवीस का 35 फीट ऊंचा बैनर बना आकर्षण

भारतीय जनता पार्टी के विधायक किशोर जोरगेवार ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस को शुभकामना देने के लिए गांधी चौक पर 35 फीट ऊंचा बैनर लगाया था। यह बैनर विशेष आकर्षण बन गया। 35 फीट ऊंचा यह बैनर चारों तरफ लगी लाइटिंग के कारण अलग दिखता है। लिहाजा इस बैनर को देखने के लिए गांधी चौक पर मौजूद लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी.

31 दिसंबर तक संपत्ति कर छूट का लाभ उठाएं

ऑनलाइन पेमेंट पर 5 फीसदी की छूट

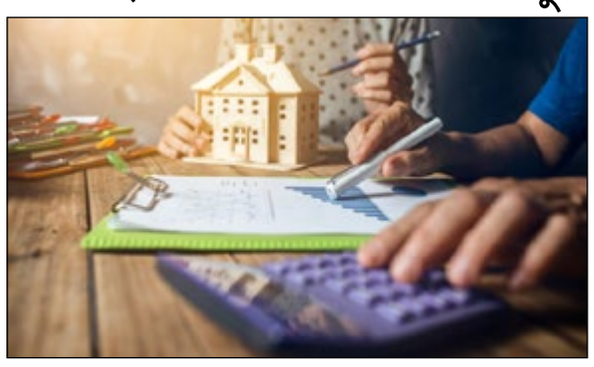

चंद्रपुर. नियमित संपत्ति कर दाताओं के लिए प्रोत्साहन के रूप में, नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 4 प्रतिशत छूट और 31 दिसंबर तक ऑनलाइन संपत्ति कर का भुगतान करने वालों को 5 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की है। संपत्ति कर नगर निगम के राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। शहर को नियमित सुविधाएं प्रदान करने के लिए संपत्ति कर का अधिक संग्रहण आवश्यक है। नगर निगम क्षेत्र में करीब 80 हजार संपत्तियां हैं और सभी संपत्तियों की मांग हर साल दर्ज की जाती है। कर विभाग का पहला कदम करदाताओं को कर नोटिस भेजकर कर का भुगतान करने का अनुरोध करना है। अधिक से अधिक वसूली शहर के विकास कार्यों में काम आये, इसी के अनुरूप कर संग्रहण को प्राथमिकता दी गयी है. संपत्ति कर का भुगतान सीधे कार्यालय में जाकर या ऑनलाइन लिंक https://chandrapurmc.org पर किया जा सकता है। नगर निगम ने ऑनलाइन यूपीआई ऐप यानी फोन पे, गूगल पे, भीम ऐप (भारत इंटरफेस फॉर मनी) का विकल्प भी प्रदान किया है, इसके अलावा व्हाट्सएप चैटबॉट का उपयोग करके संपत्ति कर का भुगतान किया जा सकता है और इसके लिए 8530006063 नंबर पर "हाय" टाइप करना होगा। उत्तर 4 विकल्प संख्या का चयन करके कर का भुगतान किया जा सकता है।

कुटीर निर्माण में वित्तीय धोखाधड़ी का मामला उजागर

> प्लाटधारकों से वित्तीय अपराध शाखा में दस्तावेज जमा कराने की पुलिस की अपील

चंद्रपुर.

ताड़ोबा टाइगर रिजर्व में आने वाले पर्यटकों को मासिक आय अर्जित करने के लिए एक रिसॉर्ट जैसी कुटिया किराए पर लेने का प्रलोभन देने और उनके साथ धोखाधड़ी करने के मामले में भार्गवी लैंड एंड डेवलपर्स के मालिक भरत नानाजी धोटे के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। बिना कुटिया बनाए 41 लाख 50 हजार रु. मौजा किटाली से डॉ. भरत धोटे ने डॉ. अमोल सतीश पोद्दार के लेआउट के साथ-साथ चंदा रैयतवारी के लेआउट पर निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने के बाद संबंधित प्लॉट धारकों को आर्थिक अपराध शाखा में संबंधित दस्तावेज जमा करने की पुलिस द्वारा अपील की गई है.

आरोपी भरत नानाजी धोटे उम्र 38 ने भार्गवी लैंड एंड डेवलपर्स नाम से एक निजी कंपनी बनाई और एजेंट नियुक्त किए। इनके द्वारा मौजा पदमापुर, अजयपुर, तलोधी (तुकुम), बोरडा, किटाली में कुटिया का निर्माण कर सदर कुटी यूनिवर्सल एग्रो टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता करने का प्रलोभन दिया गया। अशोक पांडुरंग भटवलकर, निवासी म्हाडा कॉलोनी, दाताला की लिखित रिपोर्ट के आधार पर 19 दिसंबर 2022 को भरत धोटे के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था. चंद्रपुर आर्थिक अपराध शाखा उक्त अपराध की जांच कर रही है और इस जांच में आरोपी भरत नानाजी धोटे ने मौजा किटाली में भार्गवी लैंड एंड डेवलपर्स नामक एक निजी कंपनी की स्थापना की।

जांच में पाया गया कि अमोल सतीश पोद्दार के सर्वे नंबर 76/3 और 76/4 और मौजा चांदा रैयतवारी भूमापन नंबर 415/1 और 416 के प्लॉट की बिक्री के लिए लेआउट भी तैयार किया और 100 रुपये के स्टांप पेपर पर उक्त ग्राहकों को सर्कुलर भी जारी किया. इसलिए, वित्तीय अपराध शाखा के पुलिस उप-निरीक्षक प्रभाकर चिकनकर ने अपील की है कि संबंधित लेआउट में भूखंड खरीदने के लिए परिपत्रों के लिए आवेदन करने वाले लोगों को संबंधित भूखंडों के परिपत्र और उनके कब्जे में अन्य आवश्यक दस्तावेज 8 दिनों के भीतर वित्तीय अपराध शाखा, चंद्रपुर में जमा करना चाहिए।

विदर्भ में भूकंप के झटके

तेलंगाना में सुबह 7.28 बजे मुलुगा जिले में गोदावरी नदी के तट पर रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप

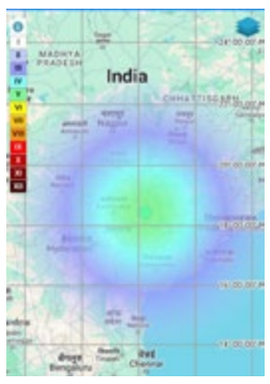

चंद्रपुर.

4 नवंबर का भूकंप पिछले दशक का सबसे बड़ा भूकंप था. तेलंगाना राज्य में 'गोदावरी रिफ्ट वैली' और 'कदंबा फॉल्ट' पूर्वी तेलंगाना से होकर गुजर रही है और यह भूकंप संभावित क्षेत्र 3 में है। इस क्षेत्र में हाइड्रो भूकंपीयता प्रकार के कारण भूकंप आते हैं। भूवैज्ञानिक भाषा में ऐसे भूकंपों को गोदावरी फॉल्ट भूकंप कहा जाता है।

3 से 4 तीव्रता के ऐसे भूकंप कभी-कभार आते हैं, लेकिन आज का भूकंप इस दशक का सबसे बड़ा भूकंप था. चंद्रपुर जिले में मूल- गोंडपिंपरी और गढ़चिरोली जिले में सिरोंचा को नव विवर्तनिक माना जाता है और भूकंप संभावित क्षेत्र 3 में आते हैं। यहां पहले भी 2 से 3 तीव्रता के भूकंप आ चुके हैं और भविष्य में भी आ सकते हैं। इसके अलावा भ्रंश के कारण वणी, मुकुटबन क्षेत्र एक छोटा भूकंप प्रवण क्षेत्र है। लेकिन भविष्य में चंद्रपुर और विदर्भ में बड़े भूकंप की आशंका नहीं है, ऐसी जानकारी प्रो. सुरेश चोपाणे भूविज्ञानी, चंद्रपुर ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी.

भूकंप का केंद्र तेलंगाना राज्य के मुलुगु में, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 5.3 दर्ज की गई, चंद्रपुर जिले में भी हल्के झटके महसूस किये गये, नागरिक सतर्क रहें जिलाधिकारी विनय गौड़ा की अपील. 4 दिसंबर को सुबह 7:27 बजे तेलंगाना राज्य के मुलुगा में भूकंप आया. चंद्रपुर जिले में हल्के झटके महसूस किये गये हैं.

इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 दर्ज की गई है. जिलाधिकारी विनय गौड़ा की अपील है कि यदि दोबारा ऐसे झटके महसूस हों तो नागरिक सावधान रहें और बिना घबराए इमारत के बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

सड़क हादसे में तेंदुए की मौत

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले में सर्वाधिक वन व्याघ्र क्षेत्र होने की वजह से वन्यजीव शहरों और गांवों की तरफ आ रहे है. चंद्रपुर से गढ़चिरौली और चंद्रपुर से भामरागढ़ राज्य महामार्ग पर आए दिन वन्यजीव की सड़क हादसे में मौत होना अब आम बात हो गई है. लेकिन वन विभाग और राज्यमार्ग अधिकारियों की हमदर्दी वन्यजीव की मौतों को नजरअंदाज कर रही है. इसी वजह से कई वन्यजीव हादसे के शिकार हो गए. वन्यजीव प्रेमी अब पुरजोर मांग कर रहे है कि, महामार्ग पर अंडर पास और रास्तों के दोनों तरफ तार की फेंसिंग लगाई जाए. 4 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे के दरम्यान चंद्रपुर मूल मार्ग के चिचपल्ली गांव के पास सड़क पार करते तेंदुए को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी है। एफडीसीएम के कंपार्टमेंट क्रमांक 412 क्षेत्र में यह घटना हुई है। इस दुर्घटना में मादा तेंदुआ गंभीर जख्मी हुआ है। वन विभाग को जानकारी मिलते ही जख्मी तेंदुए को ट्रांजिट सेंटर में उपचार के लिए लाया गया। उपचार दरम्यान तेंदुए की मौत हुई है। इस महामार्ग से सटकर वन क्षेत्र होने से ऐसी दर्जनों दुर्घटना होने पर भी वन विभाग द्वारा सुरक्षा उपाय नहीं किए जा रहे है। साथ ही महामार्ग विभाग द्वारा भी कोई वन्यजीव बचाने कोई कदम नहीं उठाए जा रहे है.

घाटे में क्यों हैं सरकारी कंपनियां ?

> लोकसभा में सांसद धानोरकर का दूरसंचार मंत्री से सवाल

चंद्रपुर.

दिल्ली में संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है और सांसद प्रतिभा धानोरकर विभिन्न सवालों के जरिए सरकार का ध्यान आकर्षित कर रही हैं. एक तरफ सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल घाटे में है तो दूसरी निजी कंपनियां कैसे मुनाफा कमाती हैं, यह सवाल सांसद प्रतिभा धानोरकर ने केंद्र सरकार से पूछा है. सांसद प्रतिभा धानोरकर ने सरकार पर आरोप लगाया है कि, एक तरफ टेलीकॉम सेक्टर में जीओ, एयरटेल, वी.आई. निजी कंपनियां बेतहाशा पैसा कमा रही हैं और दूसरी ओर, दूरसंचार क्षेत्र की सबसे पुरानी कंपनी बीएसएनएल, जिसके पास पूरे देश में बुनियादी ढांचा तैयार है, घाटे में चल रही है। उन्होंने संसद में दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पूछा कि क्या सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी बीएसएनएल इतनी मुनाफे में है कि बीएसएनएल के कर्मचारियों की तनख्वाह भी चली जाती है। साथ ही सांसद धानोरकर ने मंत्री से यह भी पूछा कि दूसरी कंपनियों को क्या फायदा हो रहा है? बीएसएनएल ऐसा क्यों नहीं कर पा रहा है? इस पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बीएसएनएल के ग्राहक बढ़े हैं और मंत्री ने सेवा अच्छी बताकर भविष्य में लाभ कमाने के लिए विभिन्न उपाय करने का आश्वासन दिया. इस पर सांसद प्रतिभा धानोरकर ने भी मंत्री से प्रभावी कदम उठाने का अनुरोध किया ताकि दूरसंचार क्षेत्र में अन्य कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करके बीएसएनएल को फायदा हो सके.

महायुति के भव्य शपथ समारोह पर झूम उठे भाजपा कार्यकर्ता...

गढ़चिरोली.

जिला अध्यक्ष प्रशांत वाघरे की अध्यक्षता एवं भाजपा पदाधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति में देवेन्द्र फड़णवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं अजित पवार एवं एकनाथ शिंदे ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष प्रशांत वाघरे की उपस्थिति में इंदिरा गांधी चौक पर ढोल-नगाड़ों की ध्वनि पर गुलाल उड़ाये एवं पटाखे फोड़े तथा एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी मनाई गई। उस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत वाघरे, किसान मोर्चा क्षेत्र सचिव व वरिष्ठ नेता रमेश भुरसे, जिला उपाध्यक्ष डॉ. भरत खटी, सुधाकर यनगंदलवार, कोषाध्यक्ष व वरिष्ठ नेता गजानन यनगंदलवार, शहर अध्यक्ष मुक्तेश्वर काटवे, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुनगाडकर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिल तिड़के, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष गीता हिंगे, जिला उपाध्यक्ष प्रणय खूने, प्रशांत भूवार, अनिल करपे, देवाजी लाटकर, प्रो.उराडे सर, सुधाकर पेटकर, संजय बारापात्रे, दतू माकोडे, मंगेश रणदिवे, मधुकर भांडेकर, हर्षल गेदाम, सत्यजीत सरदार, श्याम सलामे, सचिन भोयर, जीवन बारसागड़े, देवाजी भांडेकर, कुणाल भांडेकर, प्रवीण खडसे, अंकित गवारे, संजय नेरकर, विजय सडमेक, बालाजी भांडेकर, दीपक जाधव, श्याम वाडाई, राकेश राचमलवार, चिचघरे सर, नामदेव शेंडे, आकाश राऊत, अनिकेत विश्रोजवार, सूरज शेंडे, मोरेश्वर हजारे, कनुजी लोहम्बरे, पुष्पा करकड़े, लता लाटकर, वैष्णवी नैताम, भारती खोबरागड़े, भूमिका बर्डे, बेबीबाई चिचघरे, पल्लवी बारापात्रे, नीता उंदीरवाड़े, सोनिया उइके, तृषा डोईजड, अलका पोहनकर, अनिता विश्रोजवार सहित भाजपा पदाधिकारी, महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सलमान खान की सिक्योरिटी में हुई बड़ी चूक

सलमान खान को पिछले कई टाइम से लॉरेंस बिश्नोई से धमकियां मिल रही है. हाल ही में उनकी शूटिंग साइट पर एक अनजान शख्स घुस गया है. हालांकि पुलिस ने उस शख्स को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो वह उन्हें धमकाने लगा. पूछताछ करने पर शख्स ने बिश्नोई का नाम लिया. हालांकि जब ये शख्स वहां पहुंचा तो भाईजान शूटिंग साइट पर मौजूद नहीं थे.

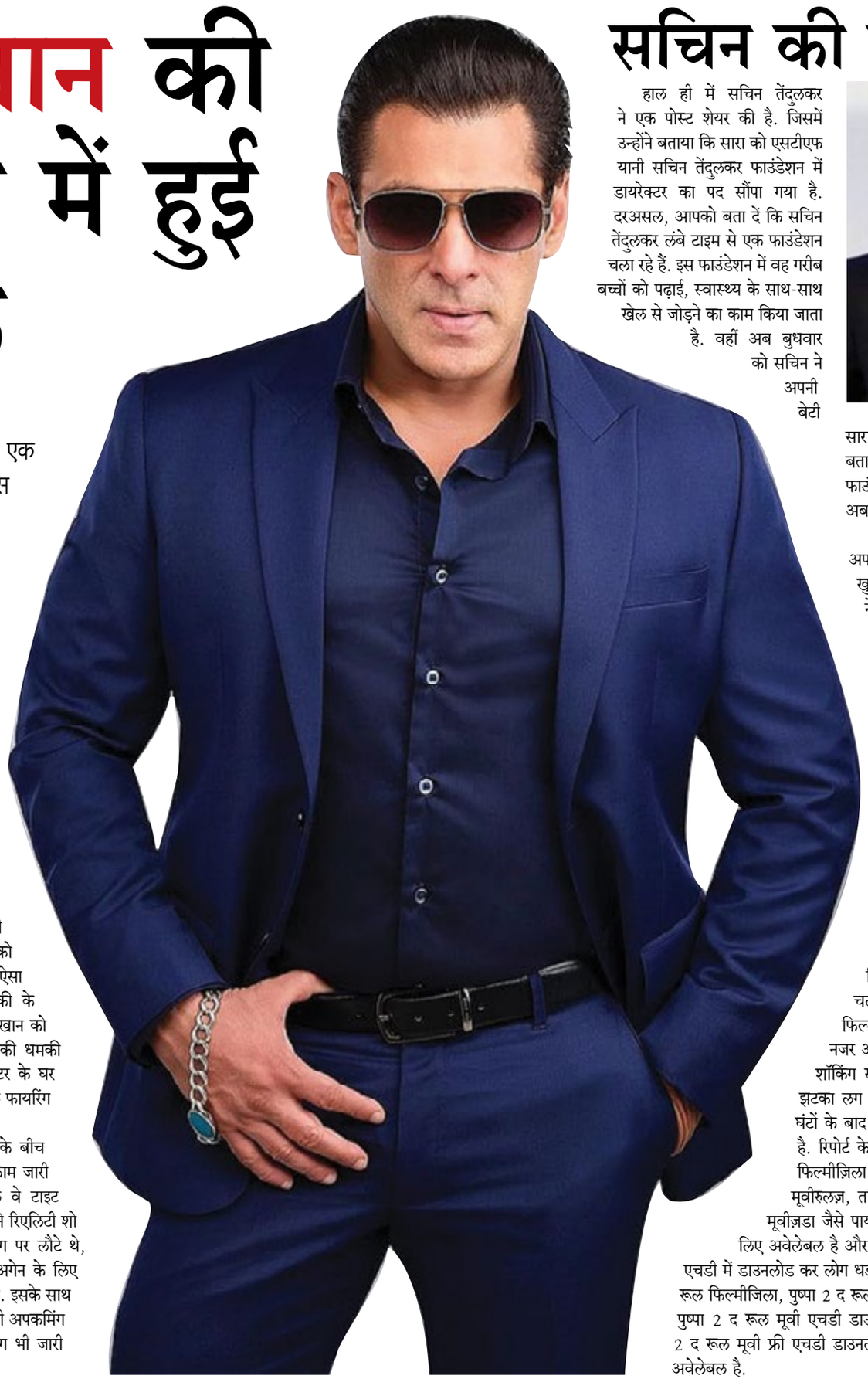

पूछताछ करने पर शख्स ने कहा- 'बिश्नोई को बोलूं क्या.' रिपोर्ट के मुताबिक संदिग्ध शख्स को पूछताछ के लिए शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन ले जाया गया है. सलमान खान के करीबी दोस्त और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की इसी साल 12 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी. इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी. जिसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. एक्टर को पहले से ही वाई प्लस सिक्योरिटी मिली है और उस सिक्योरिटी के और एक और घेरे को बढ़ा दिया गया था. ऐसा लॉरेंस बिश्नोई की धमकी के बाद हुआ. जो सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है. हालांकि एक्टर के घर के बाहर कई महीने पहले फायरिंग भी हुई थी.

हालांकि धमकियों के बीच एक्टर लगातार अपना काम जारी रखे हुए है. जहां पहले वे टाइट सिक्योरिटी के बीच अपने रिएलिटी शो बिग बॉस 18 की शूटिंग पर लौटे थे, तो वहीं उन्होंने सिंघम अगेन के लिए कैमियो भी शूट किया था. इसके साथ ही सलमान खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म सिकंदर की शूटिंग भी जारी रखी है.

सचिन की बागडोर संभालेंगी सारा

हाल ही में सचिन तेंदुलकर ने एक पोस्ट शेयर की है. जिसमें उन्होंने बताया कि सारा को एसटीएफ यानी सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में डायरेक्टर का पद सौंपा गया है. दरअसल, आपको बता दें कि सचिन तेंदुलकर लंबे टाइम से एक फाउंडेशन चला रहे हैं. इस फाउंडेशन में वह गरीब बच्चों को पढ़ाई, स्वास्थ्य के साथ-साथ खेल से जोड़ने का काम किया जाता है. वहीं अब बुधवार को सचिन ने अपनी बेटी

सारा को एक बड़ी जिम्मेदारी दी है. सचिन ने बताया कि सारा ने अपनी मास्टर डिग्री भी इसी फाउंडेशन से जुड़ें काम में हासिल की है और अब वह इसकी बागडोर खुद संभालेंगी.

सचिन ने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी पर गर्व जाहिर करते हुए फैंस को ये खुशखबरी दी. अपने पोस्ट में सचिन तेंदुलकर ने लिखा- 'मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया (सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन) में डायरेक्टर के तौर पर शामिल हो गई हैं. उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री हासिल की है. जैसे ही वह खेल, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकली हैं, यह इस बात की याद दिलाता है कि वैश्विक शिक्षा कैसे पूर्ण चक्र में आ सकती है.'

'पुष्पा 2' रिलीज होते ही ऑनलाइन हुई लीक

अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल' काफी हाईप के बीच सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. रिलीज से पहले ही इस फिल्म को देखन के लिए फैंस में गजब की होड मची हुई है जिसके चलते इसकी दमदार एडवांस बुकिंग हुई है. इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच गजब की दीवानगी नजर आ रही है. लेकिन इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक शॉकिंग खबर सामने आई है, जिससे मेकर्स को तगड़ा झटका लग सकता है. दरअसल 'पुष्पा 2' रिलीज के कुछ घंटों के बाद ही पायरेसी साइटों पर ऑनलाइन लीक हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 इबोम्मा, फिल्मीज़िला, तमिलब्लास्टर्स, बॉली4यू, तमिलयोगी, मूवीरुलज़, तमिलरॉकर्स, जैशा मूवीज़, 9एक्स मूवीज़ और मूवीज़डा जैसे पायरेसी प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में डाउनलोड करने के लिए अवेलेबल है और इसे 10पी, 720पी, 480पी, 360पी, 240पी, एचडी में डाउनलोड कर लोग धड़ल्ले से फ्री में देख रहे हैं. यह फिल्म पुष्पा 2 द रूल फिल्मीजिला, पुष्पा 2 द रूल मूवी डाउनलोड, पुष्पा 2 द रूल तमिलरॉकर्स, पुष्पा 2 द रूल मूवी एचडी डाउनलोड, पुष्पा 2 द रूल टेलीग्राम लिंक, पुष्पा 2 द रूल मूवी फ्री एचडी डाउनलोड के सर्च के साथ मुफ्त डाउनलोड के लिए अवेलेबल है.

एक-दूजे के हुए नागा-शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला आज 4 दिसंबर को हैदराबाद में शादी के बंधन में बंध चुके हैं. हैदराबाद के अन्नपुराना स्टूडियो में रीति- रिवाजों के साथ उनकी शादी हुई और कपल ने अपने नए सफर की शुरुआत की. एक्ट्रेस ने पारंपरिक साड़ी पहनी थी और टिपिकल साउथ इंडियन दुल्हन की तरह सजी हुई थीं. वहीं, एक्टर ने अपने दादाजी का पांचा पहना था.

फैंस 'मिस्टर एंड मिसेज' के रूप में उनकी पहली तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं वेडिंग वेन्यू से नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला की पहली फोटोज सामने आई हैं. इस फोटो में कपल के साथ नागार्जुन नजर आ रहे है. वहीं तीनों ही काफी खुश नजर आ रहे है. चैतन्य और शोभिता ने अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से शादी की थी. एक फोटो में कपल हाथ जोड़े हुए दिख रहा है. आपको याद हो तो एक ऐसा ही पोज सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने अपनी शादी में किया था.

वेडिंग नागा के पिता नागार्जुन अक्किनेनी के अन्नपूर्णा स्टूडियो में हुयी. जहां पर कई तेलुगु फिल्म उद्योग, राजनेताओं और सेलेब्स मौजूद रहे. दोनों की शादी हिंदू परंपराओं के अनुसार रात 8:15 बजे शुरु हो गई थी. अन्नपूर्णा स्टूडियो के बाहर चिरंजीवी और उनके बेटे राम चरण स्पॉट हुए. शोभिता की बात करें तो पारंपरिक कांजीवरम सिल्क साड़ी पहनी हुई नजर आ रही है. दोनों ही अपनी शादी में काफी ज्यादा खूबसूरत लग रही थी. वहीं फैंस के मुताबिक सामंथा ज्यादा खूबसूरत लग रही थी.

ऋतिक ने गर्लफ्रेंड सबा पर लुटाया प्यार

एक्टर ऋतिक रोशन गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ हैप्पी स्पेस में हैं. दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए पोस्ट करते नजर आते रहते हैं. ऋतिक गर्लफ्रेंड सबा आजाद का उत्साह बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ते. एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर सबा का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें सबा को गाते हुए देखा जा सकता है.

'वॉर' एक्टर ने हाल ही में सबा को चियरअप करने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके गाने का एक वीडियो शेयर किया. इस पोस्ट के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा, 'किलिंग इट.' क्लिप में एक्ट्रेस को अपने लाइव शो के दौरान गाते और नाचते हुए देखा जा सकता है.

ये पहली बार नहीं है जब ऋतिक ने अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद की

तारीफ की हो. वो अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें प्यार भरे मैसेज देते हैं. पिछले महीने, 'फाइटर एक्टर' ने सबा के बर्थडे पर एक पोस्ट शेयर की थी. बर्थडे विश करते हुए देते हुए एक्टर ने कई शानदार तस्वीरें शेयर की थीं.

ऋतिक और सबा की लव स्टोरी 2022 में शुरू हुई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कपल पहली बार ट्विटर पर तब कनेक्ट हुआ जब एक्टर ने सबा और एक रैपर का वीडियो लाइक और शेयर किया.

सबा ने एक थैंक्यू मैसेज के साथ जवाब दिया, जिससे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. उन्हें पहली बार फरवरी 2022 में एक डिनर डेट के दौरान एक साथ देखा गया था. उस साल के अंत में उन्हें करण जौहर के 50वें जन्मदिन पर एक साथ देखा गया था.

ऋतिक के करियर पर नजर डालें तो वह जल्द ही अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित एक्शन-ड्रामा 'वॉर 2' में दिखाई देंगे. एक्टर इस फिल्म में कबीर के रूप में अपनी भूमिका रिपीट करेंगे. आगामी एक्शन थ्रिलर में कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं, जो 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

प्रियंका बॉलीवुड में जल्द ही करेंगी कमबैक

शादी के बाद भी अपने करियर के साथ कॉम्प्रोमाइड नहीं किया है. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने सिटाडेल 2 की शूटिंग खत्म की है. शूटिंग खत्म होते ही प्रियंका चोपड़ा ने एक शानदार तस्वीर फैंस के साथ शेयर की थी. इसी बीच प्रियंका चोपड़ा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. ताजा मिल रही जानकारी की मानें तो प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के बाद एक बार फिर से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली हैं. आखिरी बार प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म स्काई इज पिंक में काम किया था. ये फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने फरहान अख्तर के साथ काम किया था.इस फिल्म के आने के बाद प्रियंका ने बॉलीवुड से दूरी बना ली. अब एक बार फिर से प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड में काम करने के लिए राजी हो गई हैं. इस बात का खुलासा खुद प्रियंका चोपड़ा ने ही किया है. हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने इस बात का खुलासा किया है. अपने हिंदी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'मैं मजाक नहीं कर रही हूं. बीते कुछ समय में मुझे कई फिल्म मेकर्स ने अप्रोच किया है. मैंने कई स्क्रिप्ट भी पढ़ी हैं. मैं अब हिंदी में काम करने का मन बना रही हूं. ये साल मेरे लिए काफी बिजी रहा है. आने वाले साल के लिए भी मेरे पास काफी काम है. मैं बस इतना कह सकती हूं कि जल्द ही फैंस को खुशखबरी मिलेगी.'

महाकुंभ में दिखेगा सितारों का जलवा

महाकुंभ में संगम की रेती पर सहस्त्रधारा की प्रेरणा से 21 से 27 जनवरी तक अतिरुद्र यज्ञ कराया जाएगा. इस यज्ञ में कई बॉलीवुड सेलेब्स शामिल होने वाले है. इसमें महानायक अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, एक्ट्रेस मोनिका राय, सचिन तेंदुलकर के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक दिन के यजमान के रुप में शामिल होंगे. इसके साथ ही कई बॉलीवुड के सितारों का भी मेला लगेगा.

पंचायती अखाड़ा श्रीनिरंजनी के महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद गिरी ने बताया कि यज्ञ उत्तराखंड के देहरादून स्थित सहस्त्रधारा की संस्था जनकल्याण सेवा आश्रम समिति की तरफ से आयोजित होगा.

इसमें भारत के विभिन्न प्रदेशों के अलावा यूनाइटेड किंगडम (यूके), जर्मनी, ओशिनिया, कनाडा और अमेरिका से तकरीबन तीन हजार श्रद्धालु आहुति डालने के लिए पहुंचेंगे. यज्ञ में सुबह नौ से शाम पांच बजे आहुतियां डाली जाएंगी.

गायक और संगीतकार शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम,विशाल भारद्वाज, ऋचा शर्मा, श्रेया घोषाल, जुबिन नौटियाल जैसे सितारे प्रस्तुति देंगे. मेला क्षेत्र के गंगा पंडाल में 10 हजार लोगों की मौजूदगी में रंगारंग कार्यक्रम होगा. शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक का समय तक ये होगा.

सुनील पाल ने बताई किडनैपिंग की पूरी दास्तां

कॉमेडियन सुनील पाल को लेकर हाल ही में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई थी। मंगलवार को सुनील पाल की पत्नी मुंबई के सांताक्रूज पुलिस स्टेशन कॉमेडियन की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने पहुंची थीं।

सुनील पाल की पत्नी का कहना था कि कॉमेडियन कई घंटों से लापता हैं और वह उनसे संपर्क नहीं कर पा रही हैं। लिहाजा, हर तरफ सुनील पाल के लापता होने की खबर छा

गई। लेकिन, तभी ये भी खबर आई कि सुनील पुलिस को मिल गए हैं और पूरी तरह सुरक्षित हैं। अब सुनील पाल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह इस घटना से जुड़ी अपडेट शेयर करते नजर आ रहे हैं।

सुनील पाल ने बताया कि उन्हें किडनैप कर लिया गया था।

सुनील के दावे के अनुसार, उन्हें करीब 15 दिन पहले एक रैंडम कॉल आया था, जिसमें उन्हें इवेंट के लिए अप्रोच किया गया।क्योंकि, वह उस दिन फ्री थे, तो उन्होंने इवेंट के लिए हां कह दिया। इसके बाद सुनील ने उन्हें अपनी पेमेंट की जानकारी दी तो उन्होंने कहा कि ये ज्यादा है।

डिप्रेशन का शिकार हो गए बाबिल खान

दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान अक्सर किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहते हैं. कई बार उनकी तुलना उनके पिता से भी की जाती है. इसे लेकर अब बाबिल खान की मां और इरफान की पत्नी सुतापा सिकदर ने खुलकर बात की है. उन्होंने कहा है कि पिता से तुलना किए जाने की वजह से बाबिल खान डिप्रेशन का शिकार हो गए हैं.

एक हालिया इंटरव्यू में सुतापा ने कहा- 'बाबिल पर बहुत ज्यादा प्रेशर है और मुझे ये ठीक नहीं लगता! ये दबाव नहीं होना चाहिए, इरफान पर कभी वो दबाव नहीं था और जब आप अपने ऊपर कोई दबाव नहीं डालते तो आपकी पर्सनैलिटी सामने

आती है. ये सिर्फ काम के बारे में नहीं है, बल्कि पिता का तुल्य खोने के बारे में भी है, वो लगभग डिप्रेशन में है!'

सुतापा ने आगे कहा- 'उसमें (बाबिल में) हर समय तनाव और दबाव रहता है. एक मां के तौर पर मुझे लगता है कि प्लीज मेरे बच्चे को छोड़ दो. वो बहुत कमजोर है और उसमें लड़ने की फीलिंग नहीं है! उनके पिता बहुत मजबूत थे और मैं भी, लेकिन जीन्स कहीं से तो आई होंगी.'

इरफान खान से बाबिल की तुलना किए जाने को लेकर सुतापा ने कहा- अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक में अद्भुत काम किया लेकिन वही है, महान अमिताभ बच्चन के साथ तुलना उनके खिलाफ काम करती है. मुझे लगता है कि बाबिल भी ऐसी ही मुश्किल परीक्षा से गुजर रहा है. मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि वह जल्द ही इससे उबर जाएं.

बाबिल खान ने फिल्म काला से बॉलीवुड डेब्यू किया था. वे फ्राइडे नाइट और द रेलवे मैन जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं. अब एक्टर शूजीत सरकार की फिल्म द उमेश क्रोनिक्लस में दिखाई देंगे. इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आ सकते हैं.

भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराया

पांचवीं बार जीता जूनियर एशिया कप का खिताब

नई दिल्ली.

भारतीय टीम ने बुधवार को पाकिस्तान को 5-3 से मात देकर पुरुष जूनियर एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने पांचवीं बार जीत दर्ज की है। इससे पहले टीम ने 2004, 2008, 2015, 2023 और 2024 खिताब जीता था। बता दें कि, भारत की जूनियर हॉकी टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी पीआर श्रीजेश निभा रहे हैं। उनके कोच बनने के बाद भारत ने पहली बार कोई खिताब जीता है।

गत विजेता भारत की जीत में अरिजीत सिंह हुंदल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे। उन्होंने तीन गोल (चौथे, 18वें और 54वें मिनट) पेनाल्टी कॉर्नर पर और 47वें मिनट में एक मैदानी गोल किया। यह टूर्नामेंट में भारत की खिताबी हैट्रिक है। बीते वर्ष भी भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। एक समय दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, लेकिन चौथे और अंतिम क्वार्टर में हुंदल ने लगातार दो गोल करते हुए भारत को विजेता बना दिया। हुंदल के अलावा दिलराज सिंह ने भारत के लिए 19वें मिनट में गोल किया। पाकिस्तान के लिए सूफियान खान ने 30वें और 39वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर दो और हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में एक गोल किया। मध्यांतर पर 3-2 से बनाई बढ़त पहला क्वार्टर बेहद रोमांचक रहा। पाकिस्तान ने शुरुआत में ही भारत पर बढ़त बना ली। हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल किया, लेकिन एक मिनट बाद ही भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हुंदल ने गोल में बदल भारत को बराबरी दिला दी। दूसरा क्वार्टर भारत के नाम रहा। 18वें मिनट में भारत को एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर हुंदल ने गोल कर भारत को 2-1 से बढ़त दिला दी। एक मिनट बाद ही दिलराज सिंह ने शानदार स्टिकवर्क दिखाते हुए भारत को 3-1 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरा क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले पाकिस्तान को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर सूफियान ने गोल दागकर स्कोर 2-3 कर दिया। मध्यांतर तक भारत 3-2 की बढ़त पर था।

चौथे क्वार्टर में हुंदल के दो गोल ने दिलाई जीतमध्यांतर के बाद पाकिस्तान ने एक के बाद एक हमले बोलने शुरू कर दिए। इसका फल उन्हें 39वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के रूप में मिला। सूफियान की ड्रैग फ्लिक यहां भी सटीक रही। उनके गोल से मुकाबला 3-3 की बराबरी पर आ गया। चौथे क्वार्टर में पलटवार की वारी भारतीय टीम की थी। 47वें मिनट में भारत को तीसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हुंदल की ड्रैग फ्लिक को पाकिस्तानी गोलकीपर मोहम्मद जंजुआ ने बखूबी बचाया। कुछ ही सेकंड बाद हुंदल ने बाएं छोर से मिले क्रास पर गोल कर भारत को 4-3 की बढ़त दिला दी। अंतिम 10 मिनट में भारत ने लगातार हमले बोले। टीम को पेनाल्टी कॉर्नर भी मिले। हुंदल ने एक और गोल कर भारत की 5-3 से जीत पक्की कर दी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मुकाबला आज

टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेलेगी

नई दिल्ली.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हफ्ता काफी अहम होने वाला है. दोनों ही देशों की मेंस और वीमेंस टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगी. भारत की मेंस टीम दूसरे टेस्ट के लिए शुक्रवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर होगी. वहीं वीमेंस टीम वनडे सीरीज का आगाज करेगी. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ब्रिसबेन में पहला वनडे खेलेगी. फैंस इस मुकाबले को लाइव टीवी और मोबाइल पर देख पाएंगे. भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वीमेंस क्रिकेट में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को आयोजित होगा. यह मुकाबला भी ब्रिसबेन में खेला जाएगा. इसके वनडे सीरीज का आखिरी मैच 11 दिसंबर को पर्थ में खेला जाएगा. इन तीनों मैचों का टाइम अलग होगा.

वीमेंस क्रिकेट में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे गुरुवार को खेला जाएगा. यह मुकाबला भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9.50 बजे से शुरू होगा. फैंस इस मैच को लाइव देख पाएंगे. यह मुकाबला टीवी चैनल स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित होगा. इसके साथ ही मोबाइल ऐप हॉटस्टार पर भी देखा जा सकेगा. दूसरा वनडे रविवार को खेला जाएगा, जो कि भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5.15 बजे से शुरू होगा, वहीं तीसरा मुकाबला सुबह 9.50 बजे से शुरू होगा.

मुस्तफिजुर रहमान बने पिता

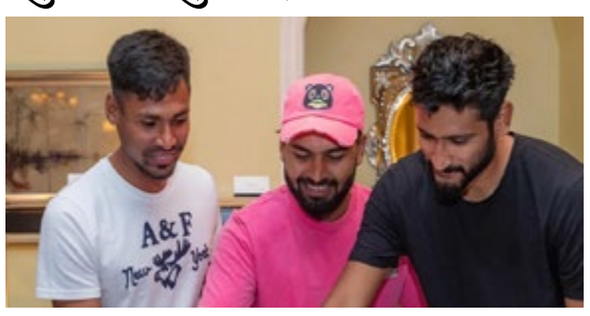

नई दिल्ली.

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की है. दरअसल, बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच जीत लिया है. इसके बाद वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच 8 अक्टूबर से तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है. लेकिन इस सीरीज से पहले बांग्लादेश के स्टार गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है. दरअसल, वह एक बेटे के पिता बन गए हैं. इस खबर के बाद मुस्तफिजुर रहमान वेस्टइंडीज सीरीज को छोड़कर अपने परिवार के साथ खास पल बिताने पर विचार कर रहे हैं. बांग्लादेश के स्टार तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के घर खुशियों ने दस्तक दी है. बुधवार 4 दिसंबर को उनकी वाइफ ने बेटे को जन्म दिया. मुस्तफिजुर ने यह खुशखबरी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर की. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, "अल्हम्दुलिल्लाह! अल्लाह की कृपा से आज हमें बेटा हुआ है. मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं. कृपया उन्हें अपनी दुआओं में शामिल करें.

अपने बेटे के जन्म के बाद मुस्तफिजुर रहमान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पैटरनिटी लीव ले लिया है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि मुस्तफिजुर ने दिसंबर के लिए छुट्टी मांगी है. अधिकारी ने कहा, "उन्होंने छुट्टी मांगी है, लेकिन हम उनसे बात करेंगे कि वह वनडे या टी20 सीरीज में से किसी एक में खेल सकते हैं या नहीं."

मुस्तफिजुर रहमान अब 16 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलने पर विचार कर सकते हैं. फिलहाल, वह अपने परिवार के साथ इस खास पल का आनंद ले रहे हैं. आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मशहूर मुस्तफिजुर रहमान को इस बार आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में कोई खरीदार नहीं मिला. 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के बावजूद कोई भी फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदने को तैयार नहीं थी. मुस्तफिजुर रहमान ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था.

बल्लेबाजी क्रम में बदलाव अब मानसिक चुनौती नहीं

नई दिल्ली.

भारत के अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव की 'मानसिक चुनौती' पर काबू पा लिया है और वह टीम के लिए किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने को तैयार हैं। राहुल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पारी का आगाज करते हुए 26 और 77 रन बनाए थे।

रोहित की टीम में वापसी के बाद शुक्रवार से शुरू हो रहे दिन-रात्रि टेस्ट को लेकर राहुल से जब बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''कुछ भी (पारी का आगाज करना या मध्य क्रम) हो सकता है।'' इस 32 साल के बल्लेबाज ने यहां भारत के अभ्यास सत्र से पहले संवाददाताओं से कहा, ''मैं सिर्फ अंतिम एकादश में रहना चाहता हूं, जिसका मतलब है कि जहां भी मौका मिले वहां टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहूं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट करियर ठीक एक दशक पहले मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में शुरू किया था। उन्होंने बाद में हालांकि सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई। इस बीच टेस्ट और वनडे दोनों में उनका बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा और इसने उन्हें मानसिक तौर पर प्रभावित भी किया। अपने 54 टेस्ट मैचों के करियर में 3000 से अधिक रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा,

''मैंने कई स्थानों पर बल्लेबाजी की है।पहले यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। यह चुनौती तकनीकी रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से थी कि शुरुआती 20-25 गेंदों को कैसे सामना करना है।''उन्होंने कहा, '' मैं कितनी जल्दी आक्रामक रूख अपना सकता हूं? मुझे कितना सतर्क रहने की जरूरत है? ये ऐसी चीजें थी जो शुरू में मुझे परेशान करती थी।'' राहुल ने टेस्ट में आठ शतक जड़े है जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में दो-दो शतक के अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भी एक शतकीय पारी है। इस कलात्मक बल्लेबाज ने कहा, '' अब मुझे टेस्ट और वनडे में बल्लेबाजी क्रम में लगभग सभी जगहों पर खेलने का अनुभव है। इससे मुझे अंदाजा हो गया है कि मैं अपनी पारी को कैसे आगे बढ़ा सकता हूं।''उन्होंने कहा कि टेस्ट मैचों को लेकर उनके दिमाग में चीजें स्पष्ट हैं। राहुल ने कहा, '' मैं चाहे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर रहा हूं या मध्य क्रम में अगर मैं शुरुआत में 30-40 गेंदें खेलने में सफल रहा तो सब कुछ सामान्य बल्लेबाजी जैसा लगता है। मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं।'' राहुल ने बताया कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में सलामी बल्लेबाजी की भूमिका निभाने की संभावना के बारे में पहले ही बता दिया गया था।

विराट की फिटनेस पर बोलीं अनुष्का

नई दिल्ली.

वर्ल्ड क्रिकेट में फिटनेस की बात होते ही पहला ख्याल विराट कोहली का आता है. विराट कोहली को इस खेल में फिटनेस के पैमाने के तौर पर देखा जाता है. उभरते हुए खिलाड़ियों को उनके जैसी फिटनेस अपनाने की नसीहत दी जाती है. लेकिन, विराट की इस फिटनेस का सच है क्या? उसका राज क्या है? अब तक आपने इसे लेकर कई सारे बयान और तर्क सुने होंगे. लेकिन, विराट की फिटनेस को लेकर साए की तरह उनके साथ रहने वाली उनकी पत्नी यानी बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा

का क्या कहना है, ये जानना अहम हो जाता है.एडिलेड में खेले जाने वाले पिंक बॉल टेस्ट से पहले पत्नी अनुष्का का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो विराट कोहली की फिटनेस के राज खोलती दिख रही हैं. वो उनके रहने और डेली रूटीन के तरीकों पर बात कर रही हैं. अनुष्का ने सारी बातें पूरी ईमानदारी के साथ बयां की है. अनुष्का शर्मा ने बताया कि विराट कोहली अपनी फिटनेस और हेल्थ को लेकर काफी ईमानदार और अनुशासित हैं. उनकी डेली रूटीन ऐसी है, जिससे उन्हें अपनी फिटनेस को बरकरार रखने में और मदद मिलती है. हर सुबह वो उठकर सबसे पहले कार्डियो करते हैं.

उसके बाद वो मेरे साथ क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं. उनका खाने में जंक फूड जैसी कोई चीज नहीं होती. हैरानी तब हुई जब अनुष्का ने बताया की विराट ने 10 साल से बटर चिकन नहीं खाया? अनुष्का ने आगे जोर देते हुए कहा कि विराट नींद से समझौता नहीं करते हैं.

हरभजन सिंह और एमएस धोनी के बीच में आई दरार

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि 10 सालों से उनकी एमएस धोनी से बात नहीं हुई. भज्जी ने इस खुलासे से सभी को चौंका दिया. हरभजन ने कहा कि मैदान के बाहर धोनी से बात किए हुए उन्हें 10 साल से भी ज्यादा वक्त गुजर गया. भज्जी ने कहा कि उनकी बाकी तमाम साथी क्रिकेटर्स के बात होती है, लेकिन धोनी से नहीं. टीम इंडिया में एक साथ खेलने के अलावा हरभजन ने चेन्नई सुपर किंग्स में भी धोनी के साथ खेला है. भज्जी 2018 और 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे. हरभजन ने बताया कि नहीं होती है. जब सीएसके में खेल रहा था तभी बातचीत होती थी. 10 साल से भी ज्यादा हो गए बात नहीं हुई. कोई वजह नहीं है बात ना करने की. शायद उसके पास कोई वजह हो, तो मुझे नहीं पता कि क्या वजह है."

भज्जी ने आगे कहा, "चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जब मैं आईपीएल में खेला, तब मेरी मुलाकात थी, बातचीत थी सिर्फ ग्राउंड पर.

उसके बाद कभी ना उनका मेरे कमरे में आना और ना कभी मेरा उनका कमरे में जाना. एक प्लेयर के रूप में मेरा काम था कि हमारी टीम अच्छा खेले. हमारी टीम एक बार जीती, एक बार हारी. चेन्नई के लिए खेलकर मजा आया. आगे हरभजन से नाराजगी को लेकर सवाल किया गया, जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "मुझे किसी से कोई नाराजगी नहीं. हो सकता है कि उसके मन में कुछ हो, तो मुझे बता दे.

तालिबान सरकार के फैसले पर राशिद ने अपनाया कड़ा रुख

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठाई आवाज

अफगानिस्तान.

स्टार स्पिनर राशिद खान मौजूदा वक्त में दुनिया के सबसे मशहूर क्रिकेटर्स में शुमार किए जाते हैं. राशिद को क्रिकेट खेलने वाले तमाम देशों में पसंद किया जाता है. उन्होंने अपने खेल से एक अलग ही छाप छोड़ी है. राशिद अफगानिस्तान की एक बड़ी आवाज हैं. उन्होंने देश की तालिबान सरकार के एक फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए महिलाओं के लिए आवाज बुलंद की.

दरअसल, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिलाओं को मेडिकल इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करने से बैन कर दिया है. Khaama प्रेस के मुताबिक, काबुल में दाई और नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स को इंस्टीट्यूट में एंट्री करने से रोक दिया गया. उन्हें मौखिक रूप से तालिबान सरकार के आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया कि फिलहाल क्लास सस्पेंड हैं.

इस मुद्दे पर आवाज बुलंद करते हुए राशिद खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, "इस्लामी शिक्षा में 'शिक्षा' एक केंद्रीय स्थान रखती है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है. कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों जेंडर के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है."राशिद ने आगे लिखा, "मैं गहरे दुख और निराशा के साथ अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूट के बंद होने पर विचार करता हूं. इस फैसले ने ना सिर्फ उनके फ्यूचर बल्कि हमारे समाज के व्यापक ताने-बाने पर भी गहरा असर डाला है. सोशल मीडिया के जरिए जो दर्द और दुख जाहिर करते हैं, वह उनके संघर्षों की मार्मिक याद दिलाता है."

आगे अपनी पोस्ट के जरिए राशिद ने इस फैसले पर दोबारा विचार करने की बात कही. उन्होंने लिखा, "अफगानिस्तान, हमारी प्यारी मातृभूमि, एक अहम मोड़ पर खड़ी है. देश को हर एरिया में, खासकर मेडिकल क्षेत्र में पेशेवरों की सख्त जरूरत है. महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी खासकर चिंताजनक है, क्योंकि इसका सीधा असर महिलाओं की स्वास्थ्य देखभाल और गरिमा पर पड़ता है. हमारी बहनों और माताओं के लिए यह जरूरी है कि उन्हें मेडिकल प्रोफेशनल जरिए दी जाने वाली देखभाल तक पहुंच हासिल हो जो वाकई में उनकी जरूरतों को समझते हैं.

आईसीसी की ओवर रेट गणना पर उठे सवाल

नई दिल्ली.

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पिछले साल लॉर्ड्स में एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, क्योंकि वो इसके आंकलन के बारे में अपनी चिंताओं को लेकर आईसीसी के साथ बातचीत करने का इंतजार कर रहे हैं। इस मामले पर स्टोक्स की हालिया टिप्पणी तब आई जब क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में तीन-तीन अंक का जुर्माना लगाया गया। स्टोक्स ने आईसीसी की ओर से जुर्माना लगाए जाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर व्यंग्यात्मक इमोजी पोस्ट की थी।

स्टोक्स ने पिछले साल एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किया है।

गावस्कर के बयान पर भड़के ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज

नई दिल्ली.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टीम का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि वे चोटिल हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसी पुष्टि की थी। पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज सुनील गावस्कर को दाल में कुछ काला नजर आ रहा है। गावस्कर को ऑस्ट्रेलिया टीम में गुटबाजी की गंध आ रही है।

गावस्कर की ये बात ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रायन हैरिस को पसंद नहीं आई और उन्होंने गावस्कर के

साथ टीम इंडिया पर जमकर हमला बोला। पर्थ टेस्ट में कंगारूओं को 295 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद अचानक से खबर आई कि ऑस्ट्रेलिया टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एडिलेड टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि वे चोटिल हो गए हैं। हेजलवुड के अचानक चोटिल होने की बात टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को पची नहीं और उन्होंने ये दावा किया कि शायद ऑस्ट्रेलियाई खेमे में सब कुछ ठीक नहीं है। गावस्कर ने अंदेशा जताया था कि ऑस्ट्रेलिया की टीम में गुटबाजी चल रही है। गावस्कर का ये कहना था कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रायन हैरिस ने टीम इंडिया पर पलटवार क दिया। ये बात रायन हैरिस को इतनमी चुभी कि उन्होंने बौखलाहट में ये बोल दिया कि गुटबाजी टीम इंडिया में होती होगी ऑस्ट्रेलिया में नहीं। ऑस्ट्रेलिया में गुटबाजी की बातें बिल्कुल बकवास है।

सुनील गावस्कर के बयान पर जब रायन हैरिस से पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की टीम में कोई गुटबाजी नहीं है।

ये सब बकवास बाते हैं। मैंने सुना कि गावस्कर कह रहे थे कि कुछ ना कुछ गुट बने हुए हैं। लेकिन ये बिल्कुल बकवास है। ये ऑस्ट्रेलिया में नहीं होता है। ये सिर्फ भारत में ही होता है। मैं वहां रहा हूं।'

क्या बस 90 हजार मजदूर हैं?

> प्रदूषण पर सुनवाई में सुको की दिल्ली सरकार को फटकार

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण मामले पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। तीन राज्यों (दिल्ली, यूपी, हरियाणा) के मुख्य सचिव वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए।कोर्ट ने तीन राज्यों से सवाल किए। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से श्रमिकों के भुगतान को लेकर जानकारी ली। दिल्ली के मुख्य सचिव ने बताया कि 90693 श्रमिकों को 2000 रुपये का भुगतान किया जा चुका है। बाकी का भुगतान जल्द ही किया जाएगा. हमने पंजीकृत श्रमिकों को धनराशि दी है।शेष 6000 रुपये हम आज ही जारी करेंगे। इस पर जस्टिस ओका ने कहा कि क्या केवल 90 हजार मजदूर हैं? मुख्य सचिव दिल्ली ने कहा कि पोर्टल में 90 हजार पंजीकृत हैं।

जस्टिस ओका ने कहा कि क्या आपने यह जानने की कोशिश की है कि क्या दिल्ली में कोई अन्य मजदूर भी हैं? अन्य निर्माण श्रमिकों का पता लगाने की कवायद कौन करेगा? श्रमिकों को कैसे पता चलेगा कि उन्हें इस पोर्टल पर पंजीकरण कराना है? दिल्ली के मुख्य सचिव को फटकार लगाते हुए जस्टिस ओका ने कहा कि हमें पता है कि सरकार यह पता लगाने के लिए कोई प्रयास नहीं करेगी कि अन्य मजदूर कौन हैं और कोई भी यह

देखने के लिए कोई प्रयास नहीं करेगा कि उन्हें भुगतान किया जाए. यह आपका दृष्टिकोण है।

कोर्ट ने कहा कि आप बस इतना कहते हैं कि किसी और ने पंजीकरण नहीं कराया है। आपने यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए हैं कि अन्य निर्माण श्रमिक अपना पंजीकरण करा सकें? मुख्य सचिव ने कहा कि समय-समय पर सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है। जस्टिस ओका ने कहा कि क्या आपने इस अदालत के आदेश के बाद लोगों से खुद को पंजीकृत करने के लिए एक भी नोटिस जारी किया है? मुख्य सचिव ने कहा कि कोई नोटिस जारी नहीं किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि दिल्ली के वकील फरासत ने पिछली बार कहा था कि पिछले साल के 12 लाख पंजीकरण समाप्त हो गए हैं। दिल्ली के मुख्य सचिव ने कहा कि पोर्टल पर रजिस्टर्ड श्रमिकों पर जानकारी मैंने दी है. जस्टिस ओका ने कहा कि क्या हमें आपका बयान दर्ज करना चाहिए? अगर ये गलत निकला तो कृपया परिणाम को समझें।

प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट को सीएक्यूएम ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा में सुधार है. ग्रैप-4 हटाया जा सकता है. केंद्र सरकार की तरफ से बात एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कही. एमाइकस ने कहा कि दिल्ली में खुले में कूड़ा जलाया जाता है. मौजूदा स्थितियों के आधार पर ग्रैप-4 हटाया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए दिल्ली सरकार से पूछा कि कूड़ा जलाने के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। क्या उसका डेटा है? सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या पराली की तरह इसको लेकर कोई डेटा, सैटेलाइट इमेज लिया जाता है? एएसजी ने कहा कि इस पर जानकारी लेकर दूंगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दो हफ्ते में कूड़ा जलाए जाने को लेकर जानकारी दें। एएसजी ने कहा कि मैं एक हफ्ते में जवाब तैयार कर दे दूंगी।

दिल्ली सरकार को यह भी जानकारी नहीं है

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि आपने पता लगाने का प्रयास नहीं किया। मजदूर संघों से संपर्क करिए. सरकार ने अन्य श्रमिकों को पंजीकरण के बारे में जानकारी देने की कोई कोशिश नहीं की। अगर वो पोर्टल पर पंजीकरण कराते हैं तो उन्हें जीवन निर्वाह राशि प्राप्त करने का हक है। मुख्य सचिव के बयान के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार को यह भी जानकारी नहीं है कि और भी श्रमिक हो सकते हैं। बेंच ने आदेश दिया कि श्रमिक संघों की बैठक तुरंत बुलाई जाए और उन्हें पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए सूचित किया जाए।

बिटकॉइन में रिकॉर्ड उछाल दर्ज

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। पिछले महीने डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिकी चुनाव जीत के बाद पहली बार बिटकॉइन $100000 के पार गया है. बिटकॉइन ने गुरुवार को 1 लाख डॉलर के लेवल को पार कर लिया है. बिटकॉइन की कीमत 5.9% बढ़कर रिकॉर्ड उच्च स्तर 101,438.9 डॉलर पर पहुंच गया है.

अनंतनाग से 2 आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। दक्षिण कश्मीर के अंतर्गत अनंतनाग के काजीगुंड से गुरुवार को दो स्थानीय आतंकी गिरफ्तार हुए। सुरक्षाबलों ने दावा किया है कि उनकी गिरफ्तारी से एक बड़े आतंकी हमले के षड्यंत्र को विफल करने में मदद मिली है। पकड़े गए दोनों आतंकी, पहले सिर्फ आतंकियों के मददगार थे और अब सक्रिय आतंकी बनने जा रहे थे कि पकड़े गए। उनके पास से दो एसॉल्ट राइफलें, चार मैगजीन और अन्य साजो-सामान भी बरामद किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों पर भड़के गडकरी

> कहा, लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर

नई दिल्ली।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बावजूद, हताहतों की संख्या में वृद्धि हो रही है, क्योंकि लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि वह खुद सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं और इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील हैं।

मंत्री ने कहा कि चार कारक हैं जो सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं - सड़क इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, कानून का प्रवर्तन और लोगों की शिक्षा।

गडकरी ने कहा, समाज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि न तो उनमें कानून के प्रति सम्मान है, न ही कानून का डर है। रेड सिग्नल पर लोग गाड़ी नहीं रोकते, हेलमेट नहीं पहनते, ऐसी कई समस्याएं हैं।

30,000 लोग सिर्फ इसलिए मर जाते हैं क्योंकि वे हेलमेट नहीं पहनते हैं। मैं खुद इसका शिकार रहा हूं, महाराष्ट्र में विपक्ष का नेता रहते हुए एक दुर्घटना में मेरा पैर चार जगह से टूट गया था और मैं इस मामले में लगातार संवेदनशील हूं।

ब्लैक स्पॉट पर 40000 करोड़ खर्च करेगी सरकार

गडकरी ने कहा, समस्या यह भी है कि कुछ ब्लैक स्पॉट हैं और सरकार ने ब्लैक स्पॉट पर 40,000 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय पहले ही ले लिया है... विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में पहचानी गई गलतियों के अनुसार ब्लैक स्पॉट मौजूद हैं और हम इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, मुझे यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि कड़ी मेहनत के बावजूद इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.68 लाख मौतें हुई हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मौतें इसलिए हुई हैं क्योंकि सड़कों पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया है...जन प्रतिनिधियों, मीडिया या समाज के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है।

हमने जुर्माने भी बढ़ाए हैं, लेकिन लोग नियमों का पालन नहीं करते हैं। गडकरी ने कहा कि बुधवार को एक कार ने उनके सामने से ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया। मंत्री ने अध्यक्ष से इस मुद्दे पर अलग से चर्चा कराने का आग्रह किया और कहा कि सरकार स्थिति में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस-सपा में मुस्लिम वोटों की होड़

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अधिकारियों को पूर्व सूचना दिए बिना उत्तर प्रदेश के संभल जाने की कोशिश करने के लिए बुधवार को राहुल गांधी की आलोचना की और दावा किया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों के लिए हो रही प्रतिस्पर्धा के तहत नेता प्रतिपक्ष ने यह कदम उठाया। संभल जिले में 24 नवंबर को एक मस्जिद के सर्वेक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मद्देनजर वहां 31 दिसंबर तक बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने 'किसी सहानुभूति' के लिए संभल जाने की कोशिश नहीं की, बल्कि मीडिया का ध्यान आकृष्ट करने और अपने सहयोगी दल समाजवादी पार्टी के नेताओं की तुलना में 'बेहतर फोटो खिंचवाने' के अवसर को भुनाने की कोशिश के तहत की।

राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुबह राजधानी दिल्ली स्थित गाजीपुर सीमा पर पहुंचे, जहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और संभल में प्रवेश करने से उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड लगाए गए थे।

भारतीय वायुयान विधेयक 2024 मंजूर

नई दिल्ली।

संसद ने गुरुवार को भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को मंजूरी दी। यह विधेयक 90 साल पुराने विमान अधिनियम 1934 की जगह लेगा। जिसमें अब तक 21 बार संशोधन किया जा चुका है। इस विधेयक के बाद तेजी बढ़ते विमानन क्षेत्र में कारोबार के नए रास्ते खुलेंगे। साथ ही हवाई यात्रा भी किफायती होगी। क्योंकि एयरलाइन कंपनियों की उड़ानों की कीमतों का नियंत्रण भी किया जा सकेगा। विधेयक को गुरुवार को राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक को नौ अगस्त को लोकसभा में मंजूर कर दिया गया था।

राज्यसभा में विधेयक पर बहस के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि कुछ सदस्यों

को बिल का नाम अंग्रेजी से हिंदी किए जाने पर आपत्ति है। मगर इसका हिंदी नाम भारत के इतिहास और संस्कृति से प्रेरित है। साथ ही इसमें किसी भी तरह के सांवधानिक नियम का अतिक्रमण नहीं किया गया है। हो सकता है नाम का उच्चारण करने में शुरू में थोड़ी दिक्कत आएगी, लेकिन बाद में यह आदत में आ जाएगा।

विधेयक में सुरक्षा, नियामक निरीक्षण और ग्राहकों के संरक्षण के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मानकों से तालमेल बिठाने का प्रयास किया गया है। विधेयक विमान निर्माण में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देगा और निवेश को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों के लिए मजबूत शासन संरचना बनेगी। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि हवाई किराये को लेकर कुछ सदस्यों ने चिंता जताई है। मगर सरकार उड़ान योजना के जरिये हवाई यात्रा की पहुंच में सुधार करने और इसे किफायती बनाने पर काम कर रही है। हवाई टिकट मूल्य निर्धारण तंत्र को विनियमित कर दिया गया है। उन्होंने स्थानीय हवाई अड्डों को विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

नायडू ने कहा कि 1994 से ही हवाई किराये को वैश्विक स्तर पर और भारत में भी नियंत्रण मुक्त कर दिया गया है। मंत्रालय हवाई किराये की निगरानी करता है। एयरलाइनों का भी दायित्व है कि वे किसी विशेष मार्ग के लिए किराया तय करने से पहले मंत्रालय को सूचित करें। नागरिक उड्डयन मंत्रालय टिकट मूल्य निर्धारण की निगरानी करता है और अगस्त में हवाई किराये के मुद्दे पर एयरलाइनों के साथ एक बैठक हुई थी। नायडू ने कहा कि इस साल दिवाली से पहले दो दिनों के दौरान हवाई किराया पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कम था।

'हम भारत से अच्छे संबंध चाहते हैं'

ढाका। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनने के बाद दोनों देशों में तनाव के बीच भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी अगले सप्ताह विदेश सचिव स्तर की बैठक के लिए बांग्लादेश का दौरा कर सकते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच निर्धारित विदेश सचिव स्तरीय वार्ता 9 या 10 दिसंबर को ढाका में होगी। शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद आठ अगस्त को अंतरिम सरकार बनने के बाद यह किसी वरिष्ठ भारतीय सरकारी अधिकारी की बांग्लादेश की पहली उच्चस्तरीय यात्रा होगी। हुसैन ने यहां विदेश मंत्रालय में संवाददाताओं से कहा, "यह बिलकुल स्पष्ट है कि हम (भारत के साथ) अच्छे संबंध चाहते हैं।" हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध पारस्परिक आधार पर होने चाहिए। उन्होंने कहा, "दोनों पक्षों को इसकी जरूरत है और इसके लिए काम करना चाहिए।" हुसैन ने कहा कि यद्यपि विदेश सचिव स्तर की वार्ता 10 दिसंबर को आयोजित की जानी है, लेकिन यह एक दिन पहले नौ दिसंबर को भी आयोजित की जा सकती है। समाचार एजेंसी ने बताया कि उच्चस्तरीय वार्ता के दौरान विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन और भारतीय विदेश सचिव मिसरी अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

'पुष्पा 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग में मची भगदड़

> महिला की हुई मौत, दो घायल

हैदराबाद.

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की रिलीज से पहले 4 दिसंबर यानी बुधवार को हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड स्थित संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। अल्लू अर्जुन, श्रिवल्ली यानी रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म देखने संध्या थिएटर पहुंचे, जहां एक्टर के फैंस का हुजूम उमड़ पड़ा।

अल्लू अर्जुन को देखने के लिए थिएटर के बाहर फैंस की इतनी भीड़ जुट गई कि धक्का-मुक्की शुरू हो गई। लोग गिरने लगे, जिससे पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा। इस दौरान एक दुखद घटना घटी। थिएटर में अल्लू अर्जुन के पहुंचने के बाद मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य घायल हो गए।

स्क्रीनिंग से पहले जब भारी भीड़ थिएटर के गेट की ओर बढ़ी तो अफरा-तफरी मच गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। अल्लू अर्जुन की एक झलक पाने के लिए उत्सुक प्रशंसक अभिनेता के आते ही प्रवेश द्वार की ओर दौड़ पड़े। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तैनात पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया।

दिलसुखनगर की रहने वाली रेवती अपने पति भास्कर और अपने दो बच्चों श्री तेज (9) और संविका (7) के साथ पुष्पा 2 का प्रीमियर शो देखने आई थीं। भीड़ के गेट तोड़ने के बाद रेवती और उनका बेटा श्री तेज हंगामे के बीच बेहोश हो गए। पुलिस ने बताया, 39 वर्षीय पीड़िता संध्या थिएटर में बेहोश हो गई और उसे इलाज के लिए दुर्गा बाई देशमुख अस्पताल लाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कश्मीर में पारा जीरो डिग्री से नीचे

नई दिल्ली.

पहाड़ों में बर्फबारी और तेज हवाओं का असर दिल्ली में देखने को मिल रहा है। यहां की हवा साफ होने के साथ ही ठंड भी बढ़ गई है। आने वाले दिनों में यहां धुंध छाए रहने के आसार हैं। पहाड़ों में बर्फबारी की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों में उत्तर और मध्य भारत में भी ठंड बढ़ने की पूरी संभावना है। कश्मीर में अधिकतर जगहों पर न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री से नीचे रहा। हालांकि, देश के दक्षिणी हिस्सों में अब तक ठंड का एहसास नहीं हो रहा है। मुंबई में बुधवार को अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो यहां पिछले 16 वर्ष में दिसंबर का सबसे गर्म दिन रहा। दक्षिण-पूर्वी राज्यों में अभी भी चक्रवात फेंगल का असर देखने को मिल रहा है। इस वजह से कई इलाकों में बारिश हो रही है।

उत्तर भारत में तेज हवाओं के चलते दिल्ली के लोगों को राहत मिली है। दिल्ली की हवा पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है और अब मध्यम

श्रेणी में आ चुकी है। हवाओं के चलने की वजह से प्रदूषण के कण छिटक गए और दूर चले गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी कि आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि शहर में बुधवार से 7 दिसंबर तक तेज हवाएं चलने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है, जिसके कारण 8 दिसंबर से मध्यम कोहरा छाने लगेगा।जम्मू कश्मीर में पारा शून्य से नीचे जा चुका है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम जगहों पर न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री से कम था। अधिकारियों ने बताया कि कोकेरनाग को छोड़कर घाटी में मौसम विभाग के सभी केंद्रों पर न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री से कम रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो मंगलवार रात को शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

स्पाइसजेट 15,500 लोगों को कराएगी हज यात्रा

नई दिल्ली।

स्पाइसजेट एयरलाइन को 2025 में चार प्रमुख भारतीय शहरों – कोलकाता, गुवाहाटी, श्रीनगर और गया से हज उड़ानों का संचालन करने का अधिकार मिल गया है। एयरलाइन अगले साल लगभग 15,500 हज यात्रियों को यात्रा कराएगी, जो 2024 में 13,000 यात्रियों की तुलना में 18% ज्यादा है। स्पाइसजेट अगले साल 100 से ज्यादा विशेष हज उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी विमान शामिल होंगे।

हज यात्रा स्पाइसजेट स्पाइसजेट के लिए एक महत्वपूर्ण राजस्व जनरेटर रही है। एयरलाइन को इन परिचालनों से 2025 में 185 करोड़ रुपए की कमाई की उम्मीद है। स्पाइसजेट ने 2019 से विशेष हज उड़ानों का सफलतापूर्वक संचालन किया है और आगामी सीजन में भी यात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने का वादा किया है।

पिछले हज सीजन के दौरान, स्पाइसजेट ने तीर्थयात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दो चौड़े शरीर वाले एयरबस ए-340 विमान तैनात किए थे, जिनमें से प्रत्येक में 324 यात्रियों की बैठने की क्षमता थी। एयरलाइन 2025 में अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और तीर्थयात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा

सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर रही है। Spice Jet के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, हज संचालन हमारे लिए न केवल एक महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत है, बल्कि हमें इस महत्वपूर्ण और आध्यात्मिक यात्रा में योगदान करने पर गर्व है।

हम एक आरामदायक, सहज और यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। स्पाइसजेट का हज संचालन न केवल व्यापार के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एयरलाइन की सामाजिक जिम्मेदारी और तीर्थयात्रियों के प्रति उसके समर्पण को भी दर्शाता है। आगामी हज सीजन में एयरलाइन ने अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने की योजना बनाई है, ताकि यात्रियों को एक सहज और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

साइबर हमलों से रहना होगा सतर्क!

> एआई-डीपफेक आधारित साइबर हमलों में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

एआइ संचालित और डीपफेक आधारित साइबर हमले वर्ष 2025 में तेजी से बढ़ने का अनुमान है। हाल में आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि इस दौरान साइबर हमलों के निशाने पर स्वास्थ्य सेवा और वित्त जैसे क्षेत्र सबसे अधिक होंगे।

डाटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया और सेक्राइट ने अपनी रिपोर्ट 2025 में साइबर अपराधियों की नई रणनीति और एआइ आधारित हमलों को एक प्रमुख चिंता बताया।

रिपोर्ट में कहा गया, एआइ का इस्तेमाल बेहद शातिर ढंग से धोखाधड़ी के लिए किया जाएगा, जिनका पता लगाना कठिन होगा। इसमें डीपफेक तकनीक और व्यक्तिगत हमले शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखलाओं में कमजोरियों के साथ एआइ क्षमताओं के जुड़ने से नए तरह के साइबर खतरे पैदा होंगे।

साइबर अपराधी जटिल हमलों

को अंजाम देने के लिए एआइ संचालित तरीकों को अपनाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआइ संचालित मालवेयर पारंपरिक सुरक्षा उपायों से बचने के लिए रियल टाइम में खुद को बदल लेंगे। खुद के बचाव के लिए बेहतर है अपना कोई भी पर्सनल डेटा सार्वजनिक न करें।

देश की भोली भाली जनता को साइबर अपराधी लगातार अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर हमलों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। इन्हीं साइबर हमलों पर एनजीओ प्रहार की 'द इनविजिबल हैंड रिपोर्ट' ने सभी को चौंका कर रख दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर इन हमलों को अभी नहीं रोका गया तो 2033 तक ये काफी खतरनाक हो जाएगा। इसकी संख्या सालाना 1 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहा होगा, तब तक साइबर हमले हर साल 17 लाख करोड़ तक पहुंच सकते हैं।

अभी साइबर हमले दो प्रकार के

रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अगर इससे निपटना है तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र की तत्काल जरूरत है। 'प्रहार' के अध्यक्ष अभय मिक्षा के अनुसार, अभी साइबर हमले दो प्रकार के होते हैं। पहला तो वो जिसमें पारंपरिक हैकर शामिल होते हैं, जो पैसे कमाने के लिए सिस्टम में कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। दूसरा इससे भी ज्यादा घातक है।

चीन की हैकिंग से यूएस समेत कई देशों में हड़कंप

वाशिंगटन. चीन के हैकरों ने दुनिया के कई देशों को टारगेट पर ले रखा है। वह लगातार अलग-अलग देशों और उनकी नामी-गिरामी कंपनियों पर साइबर अटैक कर रहे हैं। चीन के इस साइबर हमले से अमेरिका भी अछूता नहीं है। ह्वाइट हाउस का आरोप है कि चीन ने कम से कम 8 अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों पर हमला किया है। इतना ही नहीं अमेरिका के अलावा भी चीन ने कई अन्य देशों के दूरसंचार व कम्प्यूटर नेटवर्क पर हमला किया है। ह्वाइट हाउस का दावा है कि अमेरिका समेत दुनिया के कई देश चीन के 'हैकिंग' अभियान से प्रभावित हुए हैं। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने व्यापक चीनी 'हैकिंग' अभियान के बारे में नए विवरण पेश किए। विवरण के अनुसार, चीन के इस 'हैकिंग' अभियान के कारण बीजिंग में अधिकारियों को अज्ञात संख्या में अमेरिकियों के निजी संदेशों और फोन पर होने वाली बातचीत तक पहुंच प्राप्त हुई थी। न्यूबर्गर ने 'हैकिंग' के इस मामले का खुलासा संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और साइबर सुरक्षा एवं अवसंरचना सुरक्षा एजेंसी द्वारा 'हैकिंग' और उससे जुड़े लोगों को जड़ से उखाड़ने तथा भविष्य में इसी प्रकार की साइबर जासूसी को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करने के एक दिन बाद किया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने आगाह किया कि प्रभावित दूरसंचार कंपनियों और देशों की संख्या अभी बढ़ सकती है।

पंजाब के मानसा में बड़ा बवाल

चंडीगढ़।

पंजाब के मानसा में बड़ा बवाल हो गया है। किसानों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। किसानों ने भी पुलिस पर पथराव किया। हिंसक झड़प में तीन थानाध्यक्ष और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। एसएचओ भीखी के दोनों हाथ टूट गए हैं। दूसरी ओर कुछ किसानों के भी जख्मी होने की खबर भी सामने आ रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बताया जा रहा है कि मानसा के लेलेवाला गांव में पुलिस और किसानों के बीच तीखी झड़प हो गई। टकराव के दौरान किसानों और पुलिस अधिकारियों समेत कई लोग घायल हो गए। किसानों के मानसा से लेलेवाला तक मार्च करने से तनाव बढ़ गया। गुजरात गैस पाइपलाइन परियोजना को लेकर किसानों की सरकार से असहमति है। पुलिस का कहना है कि जब किसान उत्तेजित हो गए तो लाठीचार्ज करना पड़ा। एसएचओ भीखी को गंभीर चोटें आईं। उनके दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। झड़प के दौरान दो अन्य थानेदार और कई पुलिस अधिकारी

घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार, सभी किसान तलवंडी साबो से मानसा वाया संगरूर की तरफ आ रहे थे। बताया जा रहा है कि किसानों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। इसमें कुछ किसान घायल भी हो गए। यह घटना देर रात की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मौके पर अब शांति है।

इलाके में पुलिस अभी भी तैयार की घई है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है। बता दें कि किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कल पंजाब की सीमाओं से किसानो का दिल्ली कूच फिर से होगा। कांग्रेस के किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग पूनिया का कहना है कि हरियाणा सरकार किसानों को दिल्ली जाने से रोक रही है।